

पहला कॉलम

बिहार सरकार की वेबसाइट में मिली बड़ी सुरक्षा खामी

पटना। बिहार सरकार की आधिकारिक बिहार महादलित विकास मिशन वेबसाइट में एक गंभीर सुरक्षा खामी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 21 वर्षीय साइबर सुरक्षा शोधकर्ता प्रशांत कुमार ने इस कमी का पता लगाया। उनका दावा है कि इस खामी का फायदा उठाकर कोई भी संवेदनशील सरकारी डाटा तक पहुंच सकता था। इसमें आधार नंबर, पैन, मोबाइल नंबर, बैंक विवरण और कई अन्य निजी जानकारीयां शामिल होने का खतरा बताया गया है। प्रशांत के अनुसार, वेबसाइट में मौजूद खामी के कारण कई सरकारी योजनाओं से जुड़ा डाटा खतरे में था। इसमें लाभार्थियों की व्यक्तिगत जानकारी, बैंक खाते, पेंशन रिकॉर्ड, भूमि रिकॉर्ड, मनरेगा और अन्य सरकारी योजनाओं का डाटा शामिल था। इसके अलावा, कुछ मामलों में पासवर्ड भी सुरक्षित रूप में नहीं रखे गए थे।

पंजाब विश्वविद्यालय में पीएचडी की छात्रा की करंट से मौत, छात्रों का बवाल

चंडीगढ़। चंडीगढ़ स्थित पंजाब विश्वविद्यालय के परिसर में मंगलवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां माइक्रोबायोलॉजी विभाग में पीएचडी की छात्रा की करंट लगने से मौत हो गई। छात्रा की पहचान हरियाणा के रेवाड़ी जिले की ज्योति (28) के रूप में हुई है। घटना के समय वह छात्रावास से अपने विभाग जा रही थी, तभी हादसा हुआ। घटना के बाद पूरे विश्वविद्यालय परिसर में आक्रोश फैल गया। छात्रों ने कुलपति कार्यालय के बाहर जमकर प्रदर्शन किया। ज्योति सुबह छात्रावास-10 से माइक्रोबायोलॉजी विभाग जा रही थीं। तभी छात्रावास-8 और इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग को जोड़ने वाली सड़क पर पानी भरा होने के कारण वह किनारे बने कच्चे मार्ग से गुजरने लगीं। तभी गिर पड़ी और अचेत हो गईं। छात्रों ने देखा तो तुरंत बगड़े पहुंचे, लेकिन करंटी की जानकारी मिलने पर कर्मचारियों को बुलावाया गया।

साइबर टगी रोकने के लिए सरकार ने बनाया नया डिजिटल प्लेटफॉर्म

नई दिल्ली। देश में तेजी से बढ़ रहे साइबर टगी के मामलों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में जानकारी देते हुए बताया कि सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक के सहयोग से भारतीय डिजिटल भुगतान खुफिया निगम की स्थापना की है। यह नया मंच बैंकों और वित्तीय संस्थानों के बीच सौद्विध वित्तीय गतिविधियों से संबंधित सूचनाओं का तत्काल आदान-प्रदान सुनिश्चित करेगा, जिससे साइबर टगी के मामलों को समय रहते रोका जा सकेगा और लोगों की मेहत को कमाई सुरक्षित रह सकेगी। वित्त मंत्री ने बताया कि भारतीय डिजिटल भुगतान खुफिया निगम अत्याधुनिक तकनीकों, जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, यंत्र अधिगम और वृहद आंकड़ा विश्लेषण का उपयोग करेगा। इन तकनीकों की सहायता से सौद्विध लेनदेन और धोखाधड़ी से जुड़े संकेतों की तत्काल पहचान की जाएगी।

विपक्ष के भारी हंगामे के बीच ध्वनि मत से पास हुआ

लोकसभा में पास हुआ एंटी पेपर लीक बिल...

नई दिल्ली/ एजेंसी

लोक परीक्षा संशोधन विधेयक-2026 यानी एंटी पेपर लीक बिल लोकसभा से पास हो गया है। विपक्ष के भारी हंगामे के बीच ध्वनि मत से एंटी पेपर लीक संशोधन बिल पास हुआ। बिल पास होने के बाद लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने लोकसभा कार्यवाही 30 जुलाई 2026 सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। बिल पर मंगलवार को 9 घंटे चर्चा हुई। वहीं बुधवार को चर्चा और हंगामे के बाद बिल पास हुआ। अब इस अपराध में अधिकतम 10 साल तक की जेल और 10 करोड़ रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। इससे पहले पेपर लीक बिल पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने भाग लिया। राहुल गांधी ने अपने भाषण में कई बार पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के लिए असंसदीय भाषा का इस्तेमाल किया। । भाषण के दौरान राहुल गांधी की 'इडियट' और 'अंधभक्त' और अमित शाह पर राहुल को गोली मारने के लिए आदेश देने का आरोप लगाया। इस पर सत्ता पक्ष ने कड़ी आपत्ति जताई, जिसके बाद सदन में जोरदार हंगामा किया। राहुल गांधी के इन आरोपों पर संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू भड़क गए।



उन्होंने राहुल गांधी से माफी की मांग की। जबकि स्पीकर ओम बिरला को कई बार हस्तक्षेप करना पड़ा। राहुल गांधी के बयान पर लीक बिल पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने पड़ी। राहुल गांधी के आरोपों का पीएमओ कार्यालय के राज्यमंत्री डॉक्टर जितेंद्र सिंह ने जवाब दिया। जितेंद्र सिंह ने कहा कि इस पर राजनीति करने का प्रयास हुआ, जो ठीक नहीं है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि संसद में राहुल गांधी का बयान गैरजिम्मेदाराना था। उन्होंने पूछा कि 152 पेपरलीक का आंकड़ा कहाँ से मिला। उन्होंने कहा कि हम नई शिक्षा नीति लेकर आए। हमने मेडिकल कॉलेज बढ़ाए, एमबीबीएस की सीटें बढ़ाईं पीएम

मोदी के लिए इडियट शब्द इस्तेमाल करने पर जितेंद्र सिंह ने कहा कि अगर कोई खुद को भी इडियट कहना चाहे, तो नहीं कह सकता। नेता प्रतिपक्ष को सार्वजनिक जीवन और प्रशासनिक प्रणाली के बुनियादी बिंदुओं की जानकारी का भी अभाव है। जब वो यह कहते हैं कि गृह मंत्री ने गोली चलाने का आदेश दिया और ऑर्थेंटिकेट नहीं कर सके, तो यह आदेश मजिस्ट्रेट देता है। दूसरी बात, गोली चली ही नहीं, तो आदेश का सवाल ही नहीं पैदा होता। फिर ये कहा कि गृह मंत्री के साथ 20 गाड़ियों का काफ़िला है। इतनी गाड़ियां गृह मंत्री के साथ कभी नहीं चलतीं। गृह मंत्री कभी भी विदेश नहीं गए।

राज्यसभा में पास हुआ वंदे मातरम बिल, अपमान करने पर मिलेगी 3 साल की सजा

राज्यसभा में 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित हो गया है। इस संशोधन के तहत 'वंदे मातरम' के अपमान से जुड़े नियमों को कानूनी संरक्षण मिलेगा। इस नए कानून के लागू होने के बाद अगर कोई भी जानबूझकर 'वंदे मातरम' का अपमान करता है या फिर राष्ट्रीय गीत में रुकावट डालता है तो उसको 3 साल तक की जेल या जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। वंदे मातरम बिल पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए, गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि बिल में किया गया संशोधन केवल एक विधायी बदलाव नहीं है। मंत्री ने कहा कि ये भारत की आत्मा, राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक विरासत तथा स्वतंत्रता संग्राम के आदर्शों के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को दिखाता है। भाजपा सांसद विनोद तावड़े ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि वंदे मातरम का सम्मान, भारत का अभिमान। उन्होंने कहा कि जिस मंत्र ने, जिस जय घोष ने देश की आजादी के आंदोलन को ऊर्जा दी, प्रेरणा दी, त्याग और तपस्या का मार्ग दिखाया, उस राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का गर्व के साथ पुण्य स्मरण करना हमारा बहुत बड़ा सौभाग्य है। विनोद तावड़े ने आगे कहा कि आज राज्यसभा में पारित हुआ 'राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026' भारत के सांस्कृतिक गौरव को पुनर्स्थापित करने का मोदी सरकार के संकल्प को दिखाता है। इससे पहले लोकसभा में एंटी पेपर लीक बिल पास हुआ। जिसके बाद लोकसभा की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले जितेंद्र सिंह ने कहा कि राहुल गांधी के बयान को लेकर कहा कि बच्चों को इडियट्स कहना गलत है। राहुल को एफओएमओ हो गया है। राहुल गांधी पर जितेंद्र सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि वे पीएम नरेंद्र मोदी को लेकर कहा कि बच्चों की साफ़कियां कि प्रदर्शन में गोली नहीं बली। उन्होंने ये भी साफ़कियां कि प्रदर्शन में गोली नहीं बली। राहुल के शब्द असंसदीय हैं। जितेंद्र सिंह ने राहुल गांधी को लेकर कहा कि उनमें अनुभव का अभाव है। उन्होंने कहा कि गोली चलाने का आदेश गृहमंत्री नहीं देते। गोली चलाने का आदेश एएसडीएम, डीएम देते हैं।

लोकसभा में जोरदार हंगामा

राहुल गांधी का टिप्पणी इडियट को अंधभक्त भगवान मानते हैं...

नई दिल्ली/ एजेंसी

पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पर संसद में चर्चा हो रही है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी एंटी पेपर लीक बिल पर बोल रहे हैं। राहुल गांधी ने अपने भाषण में 'इडियट' को अंधभक्त भगवान मानते हैं', शब्द का इस्तेमाल किया। इसके बाद सत्तापक्ष के सांसदों ने जोरदार हंगामा किया। एनडीए के सांसदों ने राहुल गांधी के शब्दों पर घोर आपत्तिजनक करार दिया। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष के शब्दों पर काफी देर तक हंगामा होता रहा। राहुल गांधी ने कहा कि मैंने सोचा, इडियट भी है और स्टूडेंट भी है। उससे पूछा कि ये तीसरी कैटेगरी के कैटेगरी हैं। छात्र जो हैं, वह शिक्षा के सिस्टम की बात कर रहे हैं। स्टूडेंट आठ-10 घंटे पढ़ते हैं। एजुकेशन मंहंगी है। वर्षों पढ़ते हैं। इस पर ट्रेजरी बैंच से सदस्यों ने जोरदार हंगामा किया। किरण रिजिजू ने कहा कि राहुल असंसदीय शब्द इस्तेमाल नहीं करते हैं। ये



तरीके से एक छात्रा के नाम पर वह शब्द बोल रहे हैं। इसे एक्सपंज किया जाए। इसपर स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि जो शब्द असंसदीय होगा, उसे निकाल दिया जाएगा। राहुल ने कहा कि इडियट शब्द की जगह मैं दूसरा शब्द दे देता हूँ। स्पीकर बिरला ने राहुल के कहे 'इडियट' शब्द को असंसदीय बताकर सदन की कार्यवाई से हटाने को कहा है। लोकसभा के नियम 380 में असंसदीय शब्दों का प्रावधान है। इसके तहत यदि स्पीकर को लगता है कि किसी सदस्य द्वारा इस्तेमाल किया गया। शब्द या टिप्पणी मान हानिकारक, इस पर ट्रेजरी बैंच से सदस्यों ने जोरदार हंगामा किया। किरण रिजिजू ने कहा कि राहुल असंसदीय शब्द इस्तेमाल नहीं करते हैं। ये

रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

बारिश के बीच मछली पकड़ने गया युवक एनिकट में बहा, इलाके में मचा हड़कंप,

धमतरी। जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण नदी-नाले उफ़ान पर हैं। इसी बीच सिहावा क्षेत्र के सेमरा गांव में एक युवक के तेज बहाव में बह जाने की घटना सामने आई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, युवक मछली पकड़ने के लिए नदी के एनीकट पर पहुंचा था। तभी अचानक वह तेज धारा की चपेट में आ गया और लापता हो गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक, लापता युवक की पहचान घोटावा निवासी धनंजय के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों की सूचना पर पुलिस और रेस्क्यू टीम तत्काल मौके पर पहुंची। नदी में जलस्तर बढ़ने और तेज बहाव के कारण युवक का अब तक कोई सुराग नहीं मिल सका है। रेस्क्यू टीम लगातार नदी और आसपास के क्षेत्रों में उसकी तलाश कर रही है, लेकिन तेज धारा अभियान में बाधा बन रही है। घटना की पुष्टि करते हुए



अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार पांडेय ने बताया कि जिले में

लगातार हो रही बारिश के चलते कई नदी-नाले उफ़ान पर हैं। ऐसे में लोगों से अपील की जा रही है कि वे नदी, नालों और एनिकट के पास जाने से बचें तथा तेज बहाव वाले क्षेत्रों में किसी भी तरह का जोखिम न उठाएं। फिलहाल युवक की तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। प्रशासन ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

कोर्ट का आदेश- 19 सितंबर तक हाजिर हो

मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ वारंट जारी

नई दिल्ली। इस वक्त की बड़ी खबर सामने आई है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ वारंट जारी हुआ है। पंजाब के सगर्हर की अदालत ने उनके खिलाफ 15 हजार रुपये का जमानती वारंट जारी किया। कोर्ट ने खरगो को 19 सितंबर को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया है। पीएफआई से बजरंग दल की तुलना करने पर कोर्ट ने यह आदेश सुनाया है। खड़गे को अदालत में खुद पेश होकर जमानत लेनी होगी।



दरअसल यह पूरा मामला 2023 का है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएफआई से बजरंग दल की तुलना की थी।

भोपाल में किसानों का भारी बवाल!

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के घर के बाहर जुटे प्रदर्शनकारी

नई दिल्ली/ एजेंसी

अपनी विभिन्न मांगों को लेकर उग्र प्रदर्शन कर रहे किसानों का जत्था अब केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के निवास के बाहर जुट गया है। कृषि मंत्री के बंगले के बाहर किसानों के अचानक जमावड़े और विरोध-प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन में हड़कंप मच गया है। सुरक्षा के लिहाज से मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल और रैपिड एक्शन फ़ोर्स को तैनात

किया गया है। धरना स्थल से आगे बढ़े आक्रोशित किसान लगातार नरेंबाजी कर रहे हैं, वहीं पुलिस बल स्थिति को नियंत्रण में रखने और प्रदर्शनकारियों को बैरिकेड्स के पीछे रोकने के लिए पूरी मशक़त कर रहा है। भोपाल में जारी किसान आंदोलन को युवाओं का भी समर्थन मिल रहा है। बड़ी संख्या में जेन-जी प्रदर्शन में शामिल होकर किसानों के साथ अपनी एकजुटता दिखा रही है। वहीं, किसानों ने सरकार को 'सद्बुद्धि' देने की कामना के साथ

हवन भी किया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि खेती की लागत और महंगाई लगातार बढ़ रही है, लेकिन उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा। उनका आरोप है कि फसलों के वाजिब दाम नहीं मिलने से किसान आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए राज्य सरकार ने मंत्रियों की एक समिति गठित की है। समिति के सदस्य किसान प्रतिनिधियों से संवाद कर



उनकी मांगों और सुझावों पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार किसान प्रतिनिधियों से संवाद कर

दौरान आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका भी ध्यान रखा जाना चाहिए। वहीं, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेशभर से आए हजारों किसान अपनी जायज मांगों को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी आवाज सुनने के बजाय उदासीन बनी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों की समस्याओं का समाधान संवाद से होना चाहिए, न कि उनकी अनदेखी करके

अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार किसानों के मुद्दों को गंभीरता से ले रही है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को कृषि मंत्री किसानों से चर्चा के लिए गए थे और बुधवार को भी मंत्रियों व अधिकारियों का दल किसान प्रतिनिधियों से बातचीत करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों के सकारात्मक सुझावों का स्वागत करती है और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।

समर्थ गुरु–2026 का भव्य आयोजन में मेधावी विद्यार्थियों सहित 50 उत्कृष्ट शिक्षकों का सम्मान

बेमेतरा। प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन, जिला बेमेतरा एवं समाधान महाविद्यालय, बेमेतरा के संयुक्त तत्वावधान में लगातार पाँचवें वर्ष आयोजित समर्थ गुरु-सशक्त शिक्षकों का निर्माण एकदिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला एवं प्रतिभा सम्मान समारोह-2026 का भव्य एवं गरिमामय आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिलेभर के 450 से अधिक शिक्षक, शिक्षाविद्, विद्यालय संचालक, प्राचार्य, विद्यार्थी एवं पालकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। पूरे आयोजन का उद्देश्य शिक्षकों को आधुनिक, नवाचारी एवं दक्षता आधारित शिक्षण पद्धतियों से जोड़ना तथा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को सम्मानित करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं अतिथियों के सम्मान के साथ हुआ। समाधान महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. अवधेश पटेल ने स्मरण शक्ति, एकाग्रता एवं प्रभावी अधिगम की वैज्ञानिक तथा व्यवहारिक तकनीकों का प्रदर्शन करते हुए कहा कि शिक्षक यदि स्वयं सीखने की कला में दक्ष होंगे तो विद्यार्थियों में भी सीखने की जिज्ञासा, आत्मविश्वास एवं



बेहतर अधिगम परिणाम विकसित होंगे। मुख्य अतिथि बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि बेमेतरा उत्कृष्ट शिक्षा एवं सर्मापित शिक्षकों के कारण प्रदेश में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा कि बदलते समय में शिक्षकों का सतत प्रशिक्षण, नई तकनीकों का समावेश और दक्षता आधारित शिक्षण ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की वास्तविक आधारशिला है। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों की क्षमता वृद्धि के साथ विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य का मार्ग भी प्रशस्त करते हैं। प्रथम सत्र में मुनि

इंटरनेशनल स्कूल, दिल्ली के संस्थापक एवं अध्यक्ष अशोक ठाकुर ने अनुशासन, आत्मसंयम, कृतज्ञता एवं संकल्प को सफलता की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए विद्यार्थियों में श्रेष्ठ व्यक्तित्व निर्माण के लिए छह जीवनेपयोगी आदर्तों के विकास पर बल दिया। उन्होंने बड़ी सिस्टम, पिपर लर्निंग एवं गप रिसिप्रोकल लर्निंग जैसे नवाचारी शिक्षण मॉडल प्रस्तुत करते हुए बताया कि शिक्षा का उद्देश्य केवल विषय ज्ञान देना नहीं, बल्कि जीवन मूल्यों, नेतृत्व क्षमता और सहयोगात्मक सीखने की संस्कृति विकसित करना भी है। फाजिल

लर्निंग एंड इनोवेशन संस्थान के संस्थापक सैय्यद फाजिल ने ह्यूमन सॉफ्टवेयर विषय पर प्रभावी शिक्षण, एकाग्रता तथा विद्यार्थी सफलता के व्यावहारिक सूत्र साझा किए। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक का सकारात्मक, ऊर्जावान एवं प्रेरणादायी व्यक्तित्व ही विद्यार्थियों के सीखने की सबसे बड़ी प्रेरणा बनता है। वहीं कृष्णा पब्लिक स्कूल समूह के कार्यकारी निदेशक आशुतोष त्रिपाठी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा रूपरेखा-2023 तथा दक्षता आधारित शिक्षा पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा का लक्ष्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में कौशल, तार्किक चिंतन, समस्या-समाधान क्षमता एवं अनुभवात्मक अधिगम का विकास करना है। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल ने शिक्षकों को राष्ट्र निर्माण का वास्तविक शिल्पकार बताते हुए उनके योगदान की सराहना की, जबकि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव ने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को निरंतर सीखते रहने, अनुशासन अपनाने तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन का वाहक बनने का संदेश दिया।

माइन सेप्टी मैनेजमेंट प्लान इम्प्लीमेंटेशन एवं रित्यू प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला संपन्न

दल्लीराजहरा। सीजी ग्रुप ऑफ माइंस के लिए आयोजित पाँच दिवसीय माइन सेप्टी मैनेजमेंट प्लान इम्प्लीमेंटेशन एवं रित्यू प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला का शुभारंभ 21 जुलाई 2026 को हुआ। इस कार्यशाला का उद्देश्य खदानों में सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाना, वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करना तथा सुरक्षित कार्य संस्कृति को सुदृढ़ करना है। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में कमल भास्कर, कार्यपालक निदेशक खदान तथा आर. बी. गहरवार, मुख्य महाप्रबंधक खदान उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्घोषण में कहा कि माइन सेप्टी मैनेजमेंट प्लान का प्रभावी क्रियान्वयन ही सुरक्षित, दुर्घटनामुक्त एवं सतत खनन संचालन की आधारशिला है। कार्यशाला के प्रथम दो दिनों में मेसर्स दत्ता माईनिंग कंसल्टेंसी के सुरक्षा विशेषज्ञ एवं पूर्व डीडीजी एस. के. दत्ता द्वारा राजहरा मैकेनाइज्ड माइंस, दल्ली मैकेनाइज्ड माइंस, झरनदल्ली, महामाया, हिर्री, कलवर, रावघाट तथा नंदिनी चूना पत्थर



खदान के अधिकारियों एवं वरिष्ठ पर्यवेक्षकों को विस्तृत सैद्धांतिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को माइन सेप्टी मैनेजमेंट प्लान की तैयारी, क्रियान्वयन, समीक्षा तथा सतत सुधार की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। व्यावहारिक उदाहरणों एवं संवादात्मक सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों की अनेक जमीनी स्तर की शकाओं का समाधान किया गया, जिससे वे अपने-अपने खदानों में एमएसएमपी को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए तैयार हुए। हाल ही में ओडिशा एवं झारखंड समूह की खदानों में हुई विद्युत दुर्घटनाओं को ध्यान में रखते हुए कार्यशाला के दूसरे दिन खदानों में विद्युत सुरक्षा विषय पर विशेष तकनीकी सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में प्रतिभागियों को विद्युत सुरक्षा

के छह स्वर्णिम नियम की विस्तृत जानकारी दी गई तथा विद्युत कार्यों के दौरान अपनाई जाने वाली सुरक्षित कार्य प्रणालियों पर विशेष बल दिया गया। इस सत्र की प्रतिभागियों ने अत्यंत सराहना की। प्रतिभागियों ने एस. के. दत्ता की व्यावहारिक, अनुभव-आधारित एवं सरल प्रशिक्षण शैली की विशेष प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन से सुरक्षा प्रबंधन की जटिल अवधारणाएँ भी सहज एवं उपयोगी रूप में समझने को मिलीं। यह कार्यशाला माइन वेस्टिब्बल ट्रेनिंग सेंटर राजहरा द्वारा बोरेंद्र कुमार, प्रभारी-एम.वी.टी.सेंटर के नेतृत्व में तथा सेल सेप्टी ऑर्गेनाइजेशन , रांची के सहयोग से आर.बी. गहरवार, मुख्य महाप्रबंधक खदान तथा कमल भास्कर, कार्यपालक निदेशक खदान के मार्गदर्शन में आयोजित की जा रही है।

रायपुर रेल मंडल के स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा के लिए प्लेटफॉर्म शैल्टरों की सुविधा में वृद्धि

दल्लीराजहरा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का रायपुर रेल मंडल यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए आधारभूत यात्री सुविधाओं का निरंतर विस्तार कर रहा है। इसी क्रम में मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को धूप, वर्षा एवं अन्य प्रतिकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों से सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से प्लेटफॉर्म शैल्टरों का निर्माण एवं विस्तार लगातार किया जा रहा है। प्लेटफॉर्म शैल्टर यात्रियों को ट्रेन की प्रतीक्षा के दौरान सुरक्षित एवं आरामदायक वातावरण उपलब्ध कराते हैं। इन शैल्टरों के निर्माण से प्लेटफॉर्म पर प्रतीक्षारत यात्रियों को प्रतिकूल मौसम से भी राहत मिलेगी तथा उनकी यात्रा अधिक सुविधाजनक एवं सुखद बनेगी। रायपुर रेल मंडल में अमृत भारत



स्टेशन योजना के अंतर्गत अब तक 89 नए प्लेटफॉर्म शैल्टरों का निर्माण किया गया है। इनमें भिलाई नगर स्टेशन पर 11, भिलाई पावर हाउस स्टेशन पर 17, सरोना स्टेशन पर 7, निनगिया स्टेशन पर 6, हथबंद स्टेशन पर 6, बिल्हा स्टेशन पर 4, मरौदा स्टेशन पर 2, मंदिर हसौद स्टेशन पर 12, बालोद स्टेशन पर 4, दल्लीराजहरा स्टेशन पर 4, भाटपारा स्टेशन पर 8 तथा तिल्टा-नेवरा स्टेशन पर 8 नए प्लेटफॉर्म शैल्टर निर्मित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, रायपुर रेल मंडल के उन स्टेशनों पर भी,

जो अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत शामिल नहीं हैं, यात्रियों की सुविधा के लिए प्लेटफॉर्म शैल्टरों का निर्माण लगातार कराया जा रहा है। इस क्रम में देवबलोदा-चरौदा स्टेशन पर 3 प्लेटफॉर्म शैल्टरों का निर्माण किया गया है। वहीं मैसबोड़ स्टेशन पर 1, सलाइटोला स्टेशन पर 2, रिसामा स्टेशन पर 2, गुंडदेही स्टेशन पर 2, लाटाबोर स्टेशन पर 2, लखौली स्टेशन पर 1 तथा राजिम स्टेशन पर 1 नए प्लेटफॉर्म शैल्टर का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

गौ सम्मान आवाहन अभियान के तहत राष्ट्रपति राज्यपाल के नाम का ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा



बेमेतरा। गौ सम्मान आवाहन अभियान के तहत राष्ट्रपति राज्यपाल के नाम का ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा गया सम्पूर्ण भारतवर्ष में गौमाता के सम्मान, संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से गौ सम्मान आवाहन अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का द्वितीय चरण देश के सभी जिलों में एक साथ आयोजित किया गया। उक्त अभियान के अंतर्गत जिला बेमेतरा में बेसिक स्कूल मैदान से विशाल जनजागरण रैली का शुभारंभ किया गया जो बेसिक स्कूल मैदान से यह रैली प्रारंभ हुई जो लगभग 2 किलोमीटर पैदल मार्च करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे जहां पर अपनी मांग के समर्थन में नारेबाजी करते हुए गौ माता को राष्ट्र माता की घोषित करने की बात कही गई रैली के दौरान भजन कीर्तन भी

किया गया। पुलिस प्रशासन के द्वारा कलेक्ट्रेट के मुख्य द्वार को बंद कर दिया गया था और पुलिस फोर्स तैनात कर दिया गया था जिसके कारण रैली में आए हुए लोग मुख्य द्वार पर ही रुक गए। यहां पर इन लोगों की मांग थी कि कलेक्टर स्वयं यहां पर आकर इनका ज्ञापन को ले किंतु कलेक्टर नहीं आने पर वहीं पर उपस्थित लोगों ने धरना पर बैठकर और अपनी मांग के समर्थन में नारेबाजी करते रहे जबकि समय से पहले ही वहां पर उपस्थित होकर तहसीलदार ज्ञापन लेने के लिए खड़े उपस्थित थे। बाद में प्रशासन एवं पुलिस के द्वारा समझाइए जाने के बाद इन लोगों ने बेमेतरा के एसडीएम एवं अपर कलेक्टर को ज्ञापन राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री राज्यपाल मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन सौंपा गया।

धान खरीदी घोटाले में गिरफ्तारी का इंतजार, फरार आरोपियों तक नहीं पहुंच सकी पुलिस

कवर्धा। कबीरधाम जिले में धान खरीदी में सामने आई अनियमितताओं ने पूरे तंत्र पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिले के 108 धान उपार्जन केंद्रों के भौतिक सत्यापन में केवल 39 केंद्रों में ही धान का स्टॉक रिकॉर्ड के अनुरूप पाया गया, जबकि शेष 69 केंद्रों में धान की कमी दर्ज की गई। इतने बड़े स्तर पर अनियमितता सामने आने के बावजूद अब तक केवल छह समिति प्रबंधकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है, जबकि कई आरोपी अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। जानकारी के अनुसार, अब तक दर्ज मामलों में समिति प्रबंधक गंगादास मानिकपुरी के विरुद्ध अकेले तीन उपार्जन केंद्रों के मामले दर्ज किए गए हैं। वहीं कुकदूर उपार्जन केंद्र के मामले में संबंधित समिति प्रबंधक को न्यायालय से जमानत मिल चुकी है। इसके अलावा बम्हनी सहित चार उपार्जन केंद्रों के समिति प्रबंधक, कंप्यूटर ऑपरेटर और फंड प्रभारियों के खिलाफ भी अपराध दर्ज हैं, लेकिन वे अब तक फरार बताए जा रहे हैं। सबसे



बड़ा सवाल यह है कि जब आरोपियों के नाम, पते और पद की पूरी जानकारी पुलिस के पास उपलब्ध है, तब भी उनकी गिरफ्तारी क्यों नहीं हो पा रही है। आर्थिक अपराध जैसे गंभीर मामलों में आरोपियों का लंबे समय तक फरार रहना लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। जिले में यह सवाल भी उठने लगा है कि ऑगिअर पुलिस आरोपियों तक पहुंचने में असफल है या फिर कहीं न कहीं उन्हें संरक्षण मिल रहा है। हालांकि इस संबंध में पुलिस या प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। भौतिक सत्यापन में 69

उपार्जन केंद्रों में धान की कमी सामने आने के बाद यह सवाल भी उठ रहा है कि यदि गड़बड़ी इतने बड़े स्तर पर मिली है तो कार्ववाई केवल छह प्रबंधकों तक ही क्यों सीमित है। क्या बाकी उपार्जन केंद्रों की जांच अभी जारी है या फिर जिम्मेदारों पर कार्रवाई में देरी हो रही है, इसे लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया में समिति प्रबंधक के अलावा कंप्यूटर ऑपरेटर, फंड प्रभारी, नोडल अधिकारी, विपणन संध, परिवहन एजेंसियाँ और संबंधित विभागीय अधिकारियों की भी जिम्मेदारी रहती है।

संगठन की मजबूती एवं जनहित के मुद्दों को लेकर राजीव भवन में हुई कांग्रेस की बैठक

बेमेतरा। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन, बेमेतरा में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सह-सचिव एवं छत्तीसगढ़ सह-उपभारी विजय जांगिड़ की अध्यक्षता में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बेमेतरा एवं शहर कांग्रेस कमेटी बेमेतरा की महत्वपूर्ण संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों तथा जनहित के विभिन्न मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के अध्यक्ष आशीष छबबड़ी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव जनता की आवाज़ को बुलंद करने और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रही है। संगठन की मजबूती ही जन-जन तक कांग्रेस की विचारधारा एवं जनहित की लड़ाई को प्रभावी ढंग से पहुंचाने का सबसे सशक्त माध्यम है। आने वाले समय में कांग्रेस पार्टी किसानों, युवाओं, महिलाओं, मजदूरों एवं समाज के सभी वर्गों से जुड़े मुद्दों को लेकर और अधिक मजबूती से संघर्ष करेगी। बैठक की अध्यक्षता कर



रहे विजय जांगिड़ ने संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने, जनता के बीच निरंतर सक्रिय रहने तथा कांग्रेस की जनहितकारी नीतियों और विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की सबसे बड़ी ताकत है और जनता के विश्वास को मजबूत करने के लिए जमीनी स्तर पर सक्रिय रहना समय की आवश्यकता है। उन्होंने आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को सफल बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए। रविन्द्र चौबे (पूर्व मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन) ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस पार्टी का इतिहास जनसंघर्षों और जनसेवा का

इतिहास रहा है। उन्होंने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए बूथ एवं मंडल कमेटियों को मजबूती प्रदान करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की वास्तविक शक्ति उसके जमीनी कार्यकर्ता हैं और बूथ स्तर पर मजबूत संगठन ही जनता के बीच पार्टी की विचारधारा एवं जनहितकारी नीतियों को प्रभावी ढंग से पहुंचा सकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे पूरी एकजुटता एवं समर्पण के साथ प्रत्येक बूथ और मंडल स्तर पर बैठक लेकर संगठन को सुदृढ़ करें तथा किसानों, युवाओं, महिलाओं एवं वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई को और अधिक मजबूती से लड़ें हुए जनता की समस्याओं के समाधान के लिए सतत संघर्षरत रहें।

कसडोल में खण्ड स्तरीय बैंकर्स मीटिंग का आयोजन, योजनाओं के क्रियान्वयन पर फोकस



बलौदाबाजार। ब्लॉक स्तरीय बैंकर्स समिति की मासिक बैठक सोमवार को जनपद पंचायत कार्यालय कसडोल के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में बैठक में मुख्यतः शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर चर्चा हुई, जिसमें मुख्य रूप से पीएम सूर्यधर मुफ्त बिजली योजना के साथ स्व सहायता समूह लेंकिंग एवं ऋा वितरण, एनआरएलएम योजना, कृषकों को दिए जाने वाले ऋा किसान क्रेडिट कार्ड, डेयरी व्यवसाय, मछली पालन, पीएम स्वनिधि, पीएम विश्वकर्मा, मुद्रा लोन, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना इत्यादि पर भी चर्चा हुई। अग्रणी जिला प्रबंधक विजय कुमार कंवर ने सभी बैंकों को निर्देशित किये कि शासकीय योजना के पुराने खातों जिसमें लेनदेन नहीं हो रहे हैं ऐसे डीफ खातों केवायसी लेकर संचालन में लाएं अथवा खाता बंद कर राशि अन्य शासकीय योजना के खातों में जिला कोषालय अधिकारी से जानकारी प्राप्त कर स्थानांतरित करें।

नगर की एक और बेटी मोह, माया छोड़, चलेगी संयम पथ पर

धमतरी। धर्म की नगरी धमतरी की पावन धरा पर जैन समाज से अनेक लोगों ने मोह, माया को छोड़ संयम पथ पर चलकर जिनशासन की शोभा बढ़ा रहे हैं। इसी कड़ी में नगर की और बेटी आस्था लुनिया ने आत्मकल्याण के मार्ग को प्राथमिकता को देते हुए संयम पथ पर चलने की घोषणा की है। नगर की बेटी आस्था की भगवती दीक्षा के तिथी की घोषणा बुधवार को राजस्थान के गुलाबी नगरी जयपुर में गुरुपूर्णिमा महोत्सव के दौरान आचार्य भगवंतों, साधु-सावित्रियों की उपस्थिति में होगी। भगवती दीक्षा मुहुर्त प्रदाता खरतरगच्छ आचार्य, आध्यात्म योगी प.पू.श्री जिन महेंद्रसागरसूरीश्वर जी म.सा., प.पू.मनीषगुप्त जी म.सा. आदि ठाणा की पावन सानिध्य एवं जीवन समर्पण 20वीं सदी की महान साध्वी जैन कोकिला प्रवर्तिनी महोदया प.पू.श्री विचक्षण श्री म.सा.की सुशिष्या

मरूधरज्योति तीर्थ प्रभायिका प.पू.श्री मणिप्रभा श्री म.सा. आदि ठाणा की निश्रा में संपन्न होगा। उल्लेखनीय रहे कि धर्मनिष्ठ लुनिया परिवार की एक बेटी पूर्व में भी भगवती दीक्षा लेकर जिनशासन की शोभा बढ़ा रही हैं। मुमुक्षु आस्था लुनिया, धनराज लुनिया एवं पूजा लुनिया की सुपुत्री है। 29 जुलाई 2026 को जयपुर में आयोजित भव्य गुरु पूर्णिमा महोत्सव के पावन अवसर पर पूज्य आचार्य भगवंतों की पावन निश्रा में दीक्षा मुहूर्त प्रदान किया जाएगा। इस शुभ समाचार से धमतरी सहित समूचे छत्तीसगढ़ के जैन समाज में उत्साह, श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण है। इसी अवसर पर पूज्य खरतरगच्छाचार्य श्री जिन महेंद्रसागर सूरीश्वर जी म.सा. के 25वें दीक्षा रजत जयंती महोत्सव का भी भव्य आयोजन होगा, जिसमें देशभर से हजारों श्रद्धालु एवं जैन



समाज के गणमान्यजन सहभागी बनेंगे। मुमुक्षु आस्था लुनिया बचपन से ही धार्मिक एवं संस्कारित वातावरण में पली-बढ़ी हैं। उनके परदादा स्व.लक्ष्मीचंद लुनिया, परदादी स्व.श्रीमती चम्पाबाई लुनिया, दादा स्व.ताराचंद लुनिया तथा लुनिया परिवार की कुलदीपिका साध्वी आत्मारुचि श्रीजी म.सा. सहित पूरे परिवार के धार्मिक संस्कारों का उनके व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव रहा है। प्रारंभ से ही उन्हें पूज्य साधु,साध्वी भगवंतों का स्नेह, सान्निध्य एवं आशीर्वाद प्राप्त

होता रहा जिसके परिणामस्वरूप कम आयु में ही उनके मन में धर्म, संयम, तप एवं आत्मकल्याण के प्रति अटूट श्रद्धा विकसित हुई। आस्था की दिनचर्या में नियमित जिनालय दर्शन, भगवान की पूजा,अर्चना, स्वाध्याय, सामायिक, प्रतिक्रमण, नवकार मंत्र का जाप तथा धार्मिक आयोजनों में सक्रिय सहभागिता सदैव शामिल रही है। सांसारिक आकर्षणों से दूर रहकर उन्होंने आध्यात्मिक जीवन को ही अपना लक्ष्य बनाया। गुरु भगवंतों के सत्संग, प्रवचन एवं मार्गदर्शन ने उनके जीवन को नई दिशा प्रदान की और संयम मार्ग पर अग्रसर होने की भावना को निरंतर दृढ़ किया। अब उनकी इसी आध्यात्मिक साधना का महत्वपूर्ण पड़ाव 29 जुलाई 2026 को आएगा, जब पूज्य आचार्य भगवंतों द्वारा उन्हें दीक्षा मुहूर्त प्रदान किया जाएगा। यह अवसर केवल लुनिया परिवार के लिए

ही नहीं, बल्कि धमतरी एवं पूरे छत्तीसगढ़ के जैन समाज के लिए भी अत्यंत गौरव, प्रेरणा और हर्ष का विषय माना जा रहा है। श्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ धमतरी के अध्यक्ष विजय गोलछ ने कहा कि धमतरी की बेटी आस्था लुनिया को दीक्षा मुहूर्त प्राप्त होना पूरे समाज के लिए गर्व और सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि आज के भौतिकवादी युग में जब युवा सांसारिक सुख,सुविधाओं की ओर आकर्षित हो रहे हैं, ऐसे समय में संयम मार्ग का चयन करना अत्यंत प्रेरणादायी है। यह पूरे समाज के युवाओं के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बनेगा। श्री सकल जैन श्री संघ धमतरी के अध्यक्ष आकाश गोलछ ने कहा कि मुमुक्षु आस्था लुनिया का संयम पथ की ओर बढ़ना धमतरी के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने विश्वास व्यक्त

किया कि उनके इस निर्णय से समाज में धर्म, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना को नई ऊर्जा मिलेगी तथा युवा पीढ़ी धर्म और संस्कृति के प्रति और अधिक जागरूक होगी। चतुर्मास व्यवस्था समिति धमतरी के अध्यक्ष वीरेंद्र गोलछ ने कहा कि किसी भी परिवार में संयम जीवन की भावना का जागृत होना अत्यंत सौभाग्य का विषय होता है। मुमुक्षु आस्था लुनिया का यह निर्णय अनगिनत लोगों को धर्म, तप, त्याग और आत्मकल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देगा। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से इस पावन अवसर पर अधिकाधिक धर्म आराधना करने तथा मुमुक्षु के उज्ज्वल आध्यात्मिक भविष्य के लिए मंगलकामना करने का आह्वान किया। समाजजनों ने कहा कि 29 जुलाई का यह शुभ अवसर धमतरी के धार्मिक इतिहास में सदैव स्मरणीय रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश में फ़िर बदला मौसम का मिजाज, लगातार 30 जुलाई तक होगी भारी बारिश

रायपुर। देश के लगभग सभी राज्यों में मानसून सक्रिय है। कई हिस्सों में इस समय जमकर बारिश हो रही है, तो वहीं कई हिस्सों में भारी बारिश की वजह से आई बाढ़ से जन जीवन अस्तव्यस्त हो गई है। बात करें छत्तीसगढ़ की तो यहां भी मौसम सुहाना बना हुआ है। पिछले कई दिनों से अलग अलग जिलों में बारिश हो रही है। वहीं मौसम विभाग ने एक बार फिर प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान जताया है। दरअसल, बंगाल की खाड़ी में बने अवदाब ने मानसून को फिर ताकत दे दी है। जिसकी वजह से छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। मौसम विभाग ने 30 जुलाई तक प्रदेश के कई जिलों में बारिश की चेतावनी दी है। जबकि कुछ स्थानों पर भारी से अतिभारी बारिश के साथ गरज-चमक और वज्रपात की चेतावनी जारी की गई है। राजधानी रायपुर में भी दिनभर बादल छाए रहने और एक-दो दौर की बारिश या गरज-चमक के साथ बौछरें पड़ने की संभावना है। रविवार को प्रदेश के कई जिलों में बारिश हुई। महासमुंद जिले के बसना में सबसे अधिक 15 सेंटीमीटर और सरायपाली में 12 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। सोनाखान में 7 सेंटीमीटर, जबकि जनकपुर-भरतपुर और पिथौरा में 4-4 सेंटीमीटर बारिश हुई। इसके अलावा कई जिलों में 1 से 3 सेंटीमीटर तक वर्षा रिकॉर्ड की गई।

रायपुर में इंक एंड ड्राइव पर बड़ी कार्रवाई: एक रात में 42 नशे में वाहन चलाने वाले चालक पकड़े गए

रायपुर। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यातायात पुलिस कमिश्नरेट रायपुर ने नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए एक ही रात में 42 वाहन चालकों पर वैधानिक कार्रवाई की है। वर्ष 2026 में अब तक ऐसे 3,753 मामलों में कार्रवाई की जा चुकी है।यातायात पुलिस के अनुसार, 26 जुलाई 2026 (रविवार) की रात सहायक पुलिस आयुक्त सतीष कुमार ठाकुर के नेतृत्व में शहर के 9 प्रमुख चौक-चौराहों और सवेदनशील स्थानों पर विशेष जांच अभियान चलाया गया। आधुनिक ब्रीथ एनालाइजर मशीनों से जांच के दौरान 20 कार, 7 पिकअप, 4 दोपहिया वाहन, 10 ट्रक और 1 ऑटो मैजिक सहित कुल 42 वाहन चालक शराब के नशे में वाहन चलाते पाए गए। सभी के खिलाफमोटरवाय अधिनियम के तहत तत्काल कानूनी कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस ने बताया कि वर्षभर चलाए जा रहे अभियान के तहत वर्ष 2026 में अब तक 3,753 इंक एंड ड्राइव प्रकरणों में कार्रवाई की जा चुकी है। पुलिस का कहना है कि यह अभियान केवल चालान तक सीमित नहीं है, बल्कि सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने का भी प्रयास है। पुलिस के अनुसार, नशे की हालत में वाहन चलाने से चालक की निर्णय क्षमता, प्रतिक्रिया समय और वाहन पर नियंत्रण प्रभावित होता है, जिससे गंभीर सड़क दुर्घटनाओं का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसी कारण कमिश्नरेट रायपुर जीरो टॉलरेंस नीति के तहत लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है।डीसीपी ट्रैफ़िक डॉ. अरुना झा ने नागरिकों से अपील की है कि शराब या किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थ का सेवन करने के बाद किसी भी परिस्थिति में वाहन न चलाएं। आवश्यकता पड़ने पर सार्वजनिक परिवहन, टैक्सी या परिवार के किसी अन्य सदस्य की सहायता लें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक का जिम्मेदार व्यवहार न केवल उसकी अपनी सुरक्षा बल्कि अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के जीवन की रक्षा भी करता है। यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि इंक एंड ड्राइव के खिलाफयह विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रायपुर में 70 लाख की चोरी का 12 घंटे में खुलासा, घरेलू रसोइया समेत 2 आरोपी नागपुर से गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर के पंडरी थाना क्षेत्र स्थित अशोका आईकन में कारोबारी के घर हुई करीब 70 लाख रुपये की चोरी का पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। मामले में घरेलू रसोइया महेन्द्र कुमार यादव और उसके साथी पिटू यादव उर्फ अभिषेक यादव को नागपुर रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के कब्जे से 51.50 लाख रुपये नकद, सोने-चांदी के जेवरात, गिनी, सिक्के, पेन ड्राइव और महत्वपूर्ण दस्तावेज समेत पूरी चोरी की संपत्ति बरामद कर ली गई है।पुलिस के अनुसार, कारोबारी पंकज अग्रवाल 26 जुलाई को परिवार के साथ नया रायपुर गए थे। घर में उनका घरेलू रसोइया महेन्द्र यादव मौजूद था। शाम को लौटने पर घर का पिछला दरवाजा खुला मिला और अलमारी व लॉकर से नगदी, जेवरात और अन्य कीमती सामान गायब था। शिकायत पर पंडरी थाना पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर जांच शुरू की।जांच के दौरान पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें महेन्द्र यादव बैग लेकर घर से निकलता दिखाई दिया। उसके साथ एक अन्य युवक भी था। तकनीकी जांच में पता चला कि दोनों रायपुर रेलवे स्टेशन से समता एक्सप्रेस में सवार होकर नागपुर भाग गए हैं। सूचना मिलते ही रायपुर पुलिस ने आरपीएफ नागपुर की मदद से रेलवे स्टेशन पर घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ में पहली बार आयोजित स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव में हुए शामिल

उत्कृष्ट खेल मिशन के लिए इस साल 100 करोड़ का प्रावधान

■ राज्य में खेलों के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव

■ कॉन्क्लेव के सुझावों और निष्कर्षों को शामिल कर बनाएंगे प्रभावी कार्ययोजना – उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव के समापन सत्र में शामिल हुए। उन्होंने राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित कॉन्क्लेव में विगत मार्च-अप्रैल में छत्तीसगढ़ में हुए देश के पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में राज्य के लिए पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की। छत्तीसगढ़ में पहली बार इस स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव

चोरी से लेकर अवैध शराब व गांजा तस्करी कई मामले दर्ज

राजधानी रायपुर में 26 जुलाई को अलग-अलग थाना क्षेत्रों में अपराध के कई मामले सामने आए। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, शहर में अपहरण, सड़क दुर्घटना, मारपीट, जान से मारने की धमकी, चोरी, अवैध शराब बिक्री और नशे के खिलाफ कार्रवाई की गई। सबसे गंभीर मामलों में रायपुरा और खमतराई क्षेत्र से नाबालिग लड़कियों के अपहरण के मामले दर्ज हुए, जबकि गोलबाजार पुलिस ने 2 किलो 660 ग्राम गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया। रायपुरा क्षेत्र में 14 वर्षीय नाबालिग लड़की को अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर अपहरण किए जाने का मामला दर्ज किया गया। इसी तरह खमतराई थाना क्षेत्र में भी 15 वर्षीय नाबालिग के अपहरण का मामला सामने आया। दोनों मामलों में पुलिस ने गुम इंसान की जांच के बाद अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। शहर के मोवा और तेलीबांधा थाना क्षेत्रों में तेज एवं लापरवाही से वाहन चलाने के कारण सड़क दुर्घटना

का आयोजन किया गया था, जिसमें विभिन्न सत्रों में देशभर से आए खेल प्रशासकों, नीति निर्माताओं, स्पोर्ट्स साइंटिस्ट्स, नामचीन खिलाड़ियों, विशेषज्ञों और खेल संघों के पदाधिकारियों ने छत्तीसगढ़ में खिलाड़ियों के लिए बेहतर सुविधाओं, खेल प्रतिभाओं की खोज, प्रशिक्षण और सुदृढ़ खेल अधोसंरचना के रोडमैप पर दिनभर मंथन किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए कहा कि विशेषज्ञों के बीच आज दिनभर हुए गंभीर विचार-विमर्श से राज्य में खेल और खिलाड़ियों की बेहतरी के कार्यों को सार्थक एवं प्रभावी दिशा मिलेगी। राज्य में खेलों के विकास के लिए यह कॉन्क्लेव मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने छत्तीसगढ़ में गंभीरता से काम हो रहे हैं। उत्कृष्ट खेल मिशन के अंतर्गत खेल अधोसंरचना को मजबूत करने इस साल के बजट में 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की। छत्तीसगढ़ में पहली बार इस स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव

चोरी से लेकर अवैध शराब व गांजा तस्करी कई मामले दर्ज

और वाहन क्षतिग्रस्त होने के मामले दर्ज हुए। तेलीबांधा क्षेत्र में एक युवक के साथ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की शिकायत भी पुलिस तक पहुंची। इसके अलावा उरला, टिकरापुरा, खम्हारडीह और गुढ़ियारी क्षेत्रों में मारपीट, जमीन विवाद, पुरानी रंजिश और धमकी से जुड़े मामले दर्ज किए गए। कई मामलों में आरोपियों द्वारा गाली-गलौज के बाद मारपीट कर चोट पहुंचाने की शिकायत की गई। गोलबाजार क्षेत्र में एक अज्ञात चोर द्वारा करीब 15 हजार रुपये कीमत की टीवीएस एक्सेल मोटरसाइकिल चोरी किए जाने का मामला भी दर्ज हुआ। वहीं, लालगंगा क्षेत्र में मारपीट की शिकायत पर भी पुलिस ने अपराध कायम किया। इधर, अवैध शराब के खिलाफ पुलिस और आबकारी विभाग की कार्रवाई भी जारी रही। कोतवाली क्षेत्र में सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने के मामलों में कार्रवाई की गई, जबकि उरला, खमतराई और खम्हारडीह थाना क्षेत्रों में टेले के माध्यम से अवैध रूप से शराब उपलब्ध कराने और सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने के कई मामले दर्ज किए गए।

लमनी में पहला सुरक्षित पड़ाव सोलर ऊर्जा से होगा रोशन.....

■ भोलेनाथ के भक्तों की सुविधा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता-उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

रायपुर। संवाददाता उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा की विशेष पहल पर पंचायत विभाग द्वारा सुरू वनांचल के ग्राम लमनी और खुड़िया में 20-20 लाख रुपये की लागत से आधुनिक प्रतीक्षालय शेडों का निर्माण कराया गया है।श्रावण मास में भगवान भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए अमरकंटक से मां नर्मदा का पवित्र जल कांवड़ में भरकर पदयात्रा करने वाले हजारों श्रद्धालुओं को इस वर्ष बड़ी राहत मिली है। वर्षों से

वनांचल क्षेत्रों में विश्राम, पेयजल, प्रकाश और भोजन बनाने जैसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव में कठिनाइयों का सामना करने वाले कांवड़ियों के लिए अब सुरक्षित और सुविधायुक्त विश्राम स्थल उपलब्ध हो गए हैं। ये नवनिर्मित प्रतीक्षालय कांवड़ यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित पड़ाव के रूप में विकसित किए गए हैं। यहां रात्रि विश्राम, भोजन बनाने तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, जिससे हजारों श्रद्धालुओं की यात्रा पहले की अपेक्षा अधिक सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक हो सकेगी। ग्राम लमनी कांवड़ियों का पहला प्रमुख पड़ाव माना जाता है। अब तक यहां सीमित संसाधनों के बीच श्रद्धालुओं को खुले स्थानों पर रात्रि विश्राम करना पड़ता था।



आगे जाकर सरकार नौकरी में लाभ देगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि खिलाड़ियों को खेलने के लिए अच्छा मंच उपलब्ध कराने बस्तर ओलंपिक, सरगुजा ओलंपिक और खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के आयोजन राज्य में हुए हैं। बस्तर ओलंपिक में करीब चार लाख और सरगुजा ओलंपिक में लगभग साढ़े तीन लाख खिलाड़ियों ने भागीदारी की है। राज्य की खेल प्रतिभाओं को उचित अवसर और संसाधन देने की आवश्यकता है। इसके लिए हम लोग सक्रियता से काम कर

ई-रिक्शा से 1.74 लाख की चोरी, 8 घंटे में पकड़ाया शातिर चोर

रायपुर। राजधानी रायपुर में ई-रिक्शा से 1.74 लाख रूपए की चोरी के मामले में पुलिस ने महज 8 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी के कब्जे से चोरी की रकम में से 1 लाख नकद बरामद कर लिया गया है। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी वर्ष 2025 में माना थाना क्षेत्र में 2.70 लाख रूपए की चोरी की वारदात को अंजाम देकर प्यार चल रहा था। अब उस मामले में भी उसकी गिरफ्तारी की जाएगी। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला और पुलिस उपायुक्त (उत्तर) दीपमाला कश्यप के निर्देशन में एंटी क्राइम एंड साइबर रूनिट तथा गुढ़ियारी थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने की। पुलिस के मुताबिक, गुढ़ियारी निवासी ब्रजेश साव 25 जुलाई को अपनी ई-रिक्शा से किराना सामान खरीदने गुढ़ियारी पड़ाव पहुंचे थे।

प्रदेश के बेमेतरा स्थित ग्राम पथर्रा में ओपन जेल को जल्दी ही शुरू करने की कवायद

रायपुर। प्रदेश के बेमेतरा स्थित ग्राम पथर्रा में ओपन जेल को जल्दी ही शुरू करने की कवायद चल रही है। लेकिन, राज्य निर्माण के पहले एकीकृत मध्यप्रदेश के समय मशहूर फिल्म दो आंखे बारह हाथ की तर्ज पर बस्तर के बकावंड के मसगांव में ओपन खोली गई थी। लेकिन, नक्सल हिंसा को देखते हुए उसे बंद कर दिया गया था। साथ ही वहां के कैदियों को दूसरे जेलों में स्थानांतरित किया गया था। इसके बाद सीआरपीएफ के जवानों के लिए कैंप खोला गया। बाद में फेर्स के मूवमेंट करने पर पर्यटन विभाग को हस्तांतरित कर दिया गया था। उक्त जेल के बंद होने के 23 साल बाद बेमेतरा में ओपन जेल को शुरू करने की तैयारी चल रही है। राज्य सरकार के निर्देश पर बेमेतरा जिले के पथर्रा गांव में ओपन जेल (खुली जेल) बनाई गई है। यह लगभग 23 करोड़ रुपए की लागत से और 10.20 हेक्टेयर (लगभग 25-30 एकड़) क्षेत्र में तैयार की गई है। इसकी अधिसूचना 14 जुलाई 2026 को जारी की गई है। इसकी क्षमता करीब 200 कैदियों को रखे जाने की है।बस्तर संभाग के जगदलपुर जिला मुख्यालय से करीब 28 किमी दूर बकावंड ब्लॉक के ग्राम मसगांव में जुलाई 1998 में ओपन जेल बनाई गई थी। करीब 74 एकड़ में निर्मित जेल की क्षमता 200 कैदियों को रखने की थी।

उपमुख्यमंत्री ने स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव का किया शुभारंभ

समर्थ और विकसित छत्तीसगढ़ के लिए अहम उपक्रम साबित होगा खेल-उपमुख्यमंत्री अरुण

■ छत्तीसगढ़ में पहली बार हो रहे कॉन्क्लेव में देशभर के खेल प्रशासक, विशेषज्ञ, स्पोर्ट्स साइंटिस्ट, नामचीन खिलाड़ी और खेल संघों के पदाधिकारी जुटे

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने आज छत्तीसगढ़ में पहली बार हो रहे स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव का शुभारंभ किया। राज्य शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित कॉन्क्लेव में देशभर के खेल प्रशासक, विशेषज्ञ, स्पोर्ट्स साइंटिस्ट,

नामचीन खिलाड़ी और खेल संघों के पदाधिकारी भागीदारी कर रहे हैं। वे दिनभर अलग-अलग कई सत्रों में राज्य में खेल और खिलाड़ियों के लिए बेहतर माहौल तैयार करने, खेल प्रतिभाएं को तराशने, उन्हें अच्छी सुविधाएं उपलब्ध कराने, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं के लिए तैयार करने तथा खेल अधोसंरचना को मजबूत करने रोडमैप पर मंथन करेंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव के पहले सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि समर्थ और विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए खेल एक अहम उपक्रम साबित होगा। राज्य में खेल और खिलाड़ियों के विकास से युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने के ज्यादा मौके मिलेंगे, उनका सर्वांगीण विकास होगा और वे एक मजबूत मानव संसाधन के

रहे हैं। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव कहा कि यह कॉन्क्लेव छत्तीसगढ़ को खेलों के क्षेत्र में अग्रणी बनाने में बहुत मददगार होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य में खेल और खिलाड़ियों की तरक्की और बेहतरी के लिए लगातार काम हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की भौगोलिक परिस्थितियों में प्राकृतिक, शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत युवा निकलते हैं। प्राथमिक कक्षाओं से

फुनगा के किसान दयाराम सिंह ने अपनाया नैनो डीएपी

किसान ने आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती की दिशा में बढ़ाया कदम.....

■ बेहतर उत्पादन और कम लागत की जताई उम्मीद

रायपुर/ संवाददाता

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती से जोड़ने के लिए कृषि विभाग द्वारा लगातार नवाचारों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उर्वरकों के संतुलित एवं प्रभावी उपयोग के उद्देश्य से किसानों को नैनो उर्वरकों के प्रति जागरूक किया जा रहा है, जिसका सकारात्मक प्रभाव अब ग्रामीण क्षेत्रों में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। इसी क्रम में विकासखंड खड़गावां के ग्राम फुनगा



निवासी किसान दयाराम सिंह ने खरीफ सीजन में पहली बार अपनी फसल में नैनो डीएपी का उपयोग करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष उनके गांव सहित आसपास के कई किसानों ने नैनो डीएपी का उपयोग किया था। उन किसानों की फसल की बढ़वार सामान्य की तुलना में अधिक अच्छी रही तथा उत्पादन में भी सकारात्मक परिणाम देखने को मिले।

स्वास्थ्य मंत्री ने जिला अस्पताल सहित विभिन्न स्वास्थ्य केन्द्रों का निरीक्षण



■ मरीजों व परिजनों से मुलाकात कर जाना हालचाल

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक विकास मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल आज कांकर जिला प्रवास के दौरान कोमलदेव शासकीय जिला चिकित्सालय पहुंचे, जहां पर उन्होंने विभिन्न वाडों का निरीक्षण किया। साथ ही इस दौरान मरीजों व उनके परिजनों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। इसके अलावा स्वास्थ्य मंत्री ने अलबेलापारा स्थित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केन्द्र में जाकर विभिन्न वाडों का निरीक्षण किया। जिला पंचायत के सभाकक्ष में आज आयोजित संभाग स्तरीय विभागीय समीक्षा बैठक के उपरांत स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने जिला अस्पताल में हाल ही में शुरू किए गए एमआरआई सेवाओं का अवलोकन किया तथा प्रतिदिन आने वाले औसतन मरीजों की जानकारी ली। साथ ही मरीजों के साथ आए उनके परिजनों से भेंट कर जिला अस्पताल में उपलब्ध सेवाओं के संबंध में फीडबैक लिया। इसके

ही बच्चों की खेल प्रतिभा को पहचान कर उन्हें तराशने और संवारने की कार्ययोजना पर हम काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज विशेषज्ञों के जो अमूल्य सुझाव और मार्गदर्शन प्राप्त हुए हैं, उन पर निश्चित रूप से अमल किया जाएगा। आज के निष्कर्षों को शामिल कर हम विस्तृत कार्ययोजना बनाएंगे और उसे प्रभावी तरीके से क्रियान्वित करेंगे। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव श्री यशवंत कुमार, संचालक श्रीमती तनुजा सलाम, ओलंपियन श्री जित्सन जॉनसन, प्रख्यात शिक्षाविद एवं खेल वैज्ञानिक डॉ. रबेश सिंह, छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के महासचिव श्री विक्रम सिसोदिया, हाई परफॉमेंस एनालिस्ट श्री रोनक कोठारी, पीईएफ्साई के राष्ट्रीय सचिव डॉ. पियूष जैन, खेलो इंडिया के उप महानिदेशक श्री मयंक श्रीवास्तव और पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर श्री राजेश चौहान सहित प्रदेश के अनेक खिलाड़ी, प्रशिक्षक, सभी जिलों के खेल अधिकारी एवं खेल संघों के पदाधिकारी बड़ी संख्या में कॉन्क्लेव में शामिल हुए।



संपादकीय

नीट 2026 के प्रश्नपत्र लीक होने के बाद अब यह मामला इतना तुल पकड़ चुका है कि सरकार को कई स्तर पर स्पष्टीकरण देने की जरूरत पड़ रही है। किसी भी मसले पर सरकार के रुख की वजह से अगर जनता या उसके एक हिस्से के बीच असंतोष फैलता है, तो उसका हल निकालना सरकार का ही दायित्व है। इस लिहाज से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं को संबोधित करते हुए अगर यह कहा कि प्रश्नपत्र लीक के दोषियों को

सजा दिलाने के लिए सरकार ने त्वरित अदालतें स्थापित करने का फैसला किया है और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा, तो यह वक्त का तकाजा है।मगर सदिच्छाओं से ही अगर समस्याओं का समाधान निकल पाता, तो आज देश में बड़ी तादाद में युवाओं के सामने शायद सड़क पर उतरने की नौबत नहीं आती। निश्चित तौर पर नीट 2026 के प्रश्नपत्र लीक होने और इसकी वजह से

नीट पेपर लीक के बाद उठे सवाल- क्या सिर्फ आश्वासन से लौटेगा युवाओं का भरोसा?

समुची परीक्षा का रह होना विद्यार्थियों के बीच असंतोष भड़कने का तात्कालिक कारण बना है, लेकिन सवाल है कि क्या यह प्रश्नपत्र लीक होने का कोई पहला मामला था। ऐसा क्यों है कि देश भर में इससे उपजे आंदोलन और उसमें पुलिस कार्रवाई के रुख को लेकर तीखे सवाल उठे हैं और इसके बावजूद सरकार को किसी की जिम्मेदारी तय करना जरूरी नहीं लगता।प्रदर्शनकारियों की एक बुनियादी मांग है कि इसके लिए केंद्रीय शिक्षा

मंत्री से इस्तीफा लिया जाए, लेकिन ऐसा लगता है कि सरकार की नजर में इस सवाल की कोई अहमियत नहीं है। वरना क्या वजह है कि इस मुद्दे पर देश के अन्य हिस्सों में भी आंदोलन का दायरा फैलने के बावजूद सरकार अब तक कोई ठोस कार्रवाई करती नहीं दिखी है। यह एक बड़ा कारण हो सकता है कि विद्यार्थियों के एक बड़े तबके के बीच सरकार की कथनी पर भरोसा नहीं बन पा रहा है।सच यह है कि पिछले कई वर्षों से अक्सर

किसी न किसी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने के मामले सामने आते रहे और अगर किसी घटना ने तुल पकड़ लिया, तो सरकार की ओर से सबसे पहली कार्रवाई परीक्षा को रद्द करने की हुई। मगर न तो परीक्षा आयोजित कराने वाली एजेंसी को कठघरे में खड़ा किया गया, न ही संबंधित महकमे के मंत्री से जवाब-तलब किया गया। विपक्ष के एक आरोप के मुताबिक, वर्ष 2014 में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक

गठबंधन के सत्ता में आने के बाद से अब तक 152 प्रश्नपत्र लीक हो चुके हैं और इससे करीब साढ़े सात करोड़ विद्यार्थी प्रभावित हुए।ऐसे में अगर प्रदर्शनकारियों से लेकर विपक्षी दलों की ओर से भी केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की जा रही है, तो यह अनायास नहीं है। नीट 2026 के प्रश्नपत्र लीक होने के बाद अब यह मामला इतना तुल पकड़ चुका है कि सरकार को कई स्तर पर स्पष्टीकरण देने की जरूरत पड़ रही है।

प्रकृति और वन्यजीव संरक्षण का अनूठा संगम है नंदनवन जंगल सफारी

320.15 हेक्टेयर में फैला नंदनवन जंगल सफारी बना प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों का पसंदीदा केंद्र.



धनंजय राठौर

नंदनवन जंगल सफारी नवौं रायपुर में पर्यटकों के लिए कई प्रकार की रोमांचक सफारी राइड्स उपलब्ध हैं, जिनमें शाकाहारी सफारी, टाइगर सफारी, भालू सफारी और लायन सफारी प्रमुख हैं। इसके अलावा यहाँ एक छोटा चिड़ियाघर (नंदनवन जू) भी है।

छत्तीसगढ़ की राजधानी नवा रायपुर (अटल नगर) के सेक्टर-39 में स्थित नंदनवन जंगल सफारी राज्य के प्रमुख पर्यटन और वन्यजीव संरक्षण केंद्रों में शामिल है। 320.15 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला यह विशाल परिसर प्रकृति प्रेमियों, वन्यजीव प्रेमियों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र है। यहां वन्यजीव संरक्षण के साथ-साथ पर्यटकों को प्राकृतिक वातावरण में वन्यजीवों को देखने और उनके बारे में जानने का अवसर मिलता है।

मिनी जू से जंगल सफारी तक का सफर

नंदनवन की शुरुआत वर्ष 1979 में रायपुर में ‘नंदनवन मिनी जू’ के रूप में हुई थी। यह वन्यजीवों के रेस्क्यू और राहत केंद्र के रूप में विकसित किया गया था। वर्ष 2008 में केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए) ने इसे आधिकारिक रूप से ‘मिनी जू’ की मान्यता दी। इसके बाद नवा रायपुर में आधुनिक और विशाल जंगल सफारी विकसित करने के लिए वर्ष 2012 से 2015 के बीच 320.15 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई। 1 नवंबर 2016 को छत्तीसगढ़ राज्य के 16वें स्थापना दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने नंदनवन जंगल सफारी का उद्घाटन किया।

वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण शिक्षा पर विशेष जोर

नंदनवन जंगल सफारी का मुख्य उद्देश्य वन्यजीवों का संरक्षण, दुर्लभ प्रजातियों का संरक्षण एवं प्रजनन और लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यहां वन्यजीवों को उनके प्राकृतिक वातावरण के अनुरूप सुरक्षित और तनावमुक्त आवास उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता है।

विद्यार्थियों और पर्यटकों को वन्यजीवों तथा जैव विविधता के महत्व की जानकारी देने के लिए यहां विभिन्न पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं।

पांच प्रमुख सफारी जोन हैं आकर्षण का केंद्र

नंदनवन जंगल सफारी को वन्यजीवों की सुरक्षा और पर्यटकों



की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग जोन में विकसित किया गया है।

शाकाहारी सफारी

30.89 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले इस जोन में चीतल, सांभर, नीलागाय और काला हिरण जैसे वन्यजीव प्राकृतिक वातावरण में विचरण करते हैं।

भालू सफारी

20.03 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित भालू सफारी पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है। यहां भालुओं को प्राकृतिक वातावरण में देखने का अवसर मिलता है।



बाघ सफारी

20.04 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली बाघ सफारी में पर्यटक देश के राष्ट्रीय पशु बाघ को करीब से देखने का रोमांचक अनुभव प्राप्त करते हैं।

सिंह सफारी

20.01 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित सिंह सफारी में एशियाई शेरों का संरक्षण किया जा रहा है।

जू जोन

50 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले जू जोन में विभिन्न प्रजातियों के पक्षी, सरीसृप और अन्य वन्यजीव आकर्षण का केंद्र हैं।

दुर्लभ और विशेष वन्यजीवों का भी संरक्षण

नंदनवन जंगल सफारी में विभिन्न चिड़ियाघरों के साथ पशु विनिमय कार्यक्रम के माध्यम से कई दुर्लभ और विशेष वन्यजीवों को लाया गया है। यहां सफेद बाघ, दरियाई घोड़ा, घड़ियाल और



क्लोन जंगली भैंसा ‘दीपाशा’ जैसे वन्यजीव पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण हैं।

देश-विदेश से पहुंचते हैं पर्यटक

वनमंडलाधिकारी श्री थेंसु शेखर ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप की मंशानुरूप नंदनवन जंगल सफारी पर्यटकों के बीच लगातार लोकप्रिय हो रहा है। गौरतलब है कि वर्ष 2018-19 में ही देश-विदेश से 1 लाख 74 हजार 611, वर्ष 2019-20 में 1 लाख 60 हजार 767 ,वर्ष 2020-21 में 1 लाख 60 हजार 32, वर्ष 2021-22 में 1 लाख 73 हजार 72, वर्ष 2022-23 में 2 लाख 77 हजार 881, वर्ष 2023-24 में 2 लाख 62 हजार 486, वर्ष 2024-25 में 2 लाख 70 हजार 942, वर्ष 2025-26 में 3 लाख 24 हजार 785, से अधिक पर्यटकों ने जंगल सफारी का भ्रमण किया। यह आंकड़ा इसकी बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है।

जैव विविधता संरक्षण के प्रति जागरूकता का केंद्र

नंदनवन जंगल सफारी में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस, विश्व बाघ दिवस और वन्यजीव सप्ताह जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन आयोजनों के माध्यम से लोगों, विद्यार्थियों और पर्यटकों को वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाता है।

रायपुर से आसान पहुंच

नंदनवन जंगल सफारी नवा रायपुर (अटल नगर) के सेक्टर-39 में स्थित है। यह स्वामी विवेकानंद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, रायपुर से लगभग 15 किलोमीटर और रायपुर रेलवे स्टेशन से लगभग 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। जंगल सफारी प्रत्येक सोमवार को बंद रहती है।

वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण शिक्षा का ऐसा अनूठा केंद्र

नंदनवन जंगल सफारी आज छत्तीसगढ़ में पर्यटन, वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण शिक्षा का ऐसा अनूठा केंद्र बन चुका है, जहां प्रकृति के करीब पहुंचकर वन्यजीवों को देखने के साथ-साथ उनके संरक्षण का संदेश भी मिलता है द्य. (लेखक जनसंपर्क विभाग छत्तीसगढ़ में संयुक्त संचालक है।)



भारत में ‘राष्ट्रीय प्रसारण दिवस’ प्रत्येक 23 जुलाई को मनाया जाता है। सूचना विधाओं के लिहाज से आज का दिन रेडियो क्रांति और प्रसारण का प्रतीक भी है। दिवस की शुरुआत वर्ष- 1927 में हुई थी जिसका आज का 99 वां संस्करण है। सर्वविदित है कि 23 जुलाई 1927 को ‘इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी’ नाम से एक प्राइवेट संस्था ने ‘बॉम्बे रेडियो क्लब’ स्टेशन से हिंदुस्तान में पहला प्रसारण किया गया था जो ब्रिटिश औपनिवेशिक हुकूमत द्वारा लाइसेंस प्राप्त थी। कुछ वर्षों बाद ‘ऑल इंडिया रेडियो’ और फिर आकाशवाणी के रूप में स्थापित हुई। वैसे, विधिवत रूप से प्रसारण मंच का शुभारंभ 8 जून 1936 से हुआ था। इसी दिन से विविध भाषाओं, संस्कृतियों और विचारों को एक सूत्र में पिरोने का चलन आरंभ हुआ। आकाशवाणी का नाम प्रसिद्ध रचनाधर्मी ‘एमबी गोपालस्वामी’ द्वारा दिया गया था, जो संस्कृत शब्द से गढ़ा गया था। जिसका शाब्दिक मतलब होता है ‘आकाश से आवाज’। इस शब्द को आधिकारिक रूप से 1935 में मैसूर में भारत के पहले निजी रेडियो स्टेशन की स्थापना के वक्त इस्तेमाल हुआ, जिसे बाद में भारत सरकार ने सार्वजनिक और आधिकारिक रूप से सरकारी रेडियो के लिए प्रयोग किया। भारतीयवायु सेना भर्ती प्रसार भारती के नाम से प्रचलित भारतीय प्रसारण तंत्र आज विश्व का बससे बड़ा ब्रॉडकास्ट डिजिटल है। 15 सितंबर 1959 को, दिल्ली स्थित ऑल इंडिया रेडियो के स्टूडियो में, भारत का पहला टीवी चैनल शुरू किया गया था जो आज ‘दूरदर्शन’ यानी डीडी न्यूज के नाम से प्रसिद्ध है। प्रसारण के विस्तार पर अगर नजर डालें, तो वर्तमान में आकाशवाणी के कुल 591 रेडियो केंद्र और प्रसारण के 230 स्टेशन संचालित हैं। वहीं, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत में इस समय 908 निजी सैटेलाइट टीवी न्यूज चैनल सार्वजनिक प्रसारण सेवा में हैं। इनमें 40 फीसदी यानी करीब 350-400 के बीच केवल समाचार श्रेणी के हैं, जो हिंदी, अंग्रेजी के अलावा विभिन्न राज्यस्तरीय भाषाओं में संचालित हैं। निजी प्रसारण में आगमन सबसे पहले 1992 में ‘जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज’

से हुआ, उसके बाद तो निजी क्षेत्र में प्रसारणों की बाढ़ आ गई। करीब 3 हजार से अधिक नए लाइसेंसों के लिए मंत्रालय में आवेदन आवेदित हैं।

भारत में प्रसारण का कलर 25 अप्रैल 1982 में बदला गया। यहीं से रंगीन टीवी की शुरुआत हुई, वरना इससे पहले तक पर्दा सफेद ही था। ये वह वक्त था जब दिल्ली में एशियाई खेलों का महाकुंभ आरंभ होना था। तब तेजी से वैश्विक स्तर पर मांग उठ रही थी कि खेलों का प्रसारण रंगीन पर्दे पर किया जाए। इसके बाद ‘ब्लैक एंड व्हाइट’ के दौर का अंत हुआ और टीवी का पर्दा रातों-रात कलरफुल हो गया। टीवी प्रसारण का मतलब होता है ऑडियो और वीडियो सामग्री को विधुत चुम्बकीय तरंगों जैसे केबल, सैटेलाइट या इंटरनेट के जरिए जन जन तक पहुंचाना। प्रसारण आज के समय में सभी के जीवन का हिस्सा बन गया है। प्रसारण ऐसी संचार प्रणाली है जो दर्शकों को घर बैठे न्यूज से लेकर मनोरंजन के सभी माध्यमों को परोसता है। हालांकि, तकनीकी विकास के साथ प्रसारण विधाओं में काफी बदलाव हुआ है। अब दर्शक केबल या सैटेलाइट यंत्रों पर ही निर्भर नहीं रहते। दर्शक डाटा खर्च करके मोबाइल से ही हर प्रकार के प्रसारण का लुप्त उठा लेते हैं। फिर चाहे, मैच हो या समाचार।

प्रसारण के क्षेत्र में अब इंटरनेट, डिजिटल और ओटीटी ने और विस्तार कर दिया है। सरकार सालाना प्रसारण से विज्ञापनों और फ्रीडिश से करीब 1200 से 1600 करोड़ रूपए कमाती है। वित्त वर्ष 2024-25 में प्रसार भारती का कुल राजस्व 1643 करोड़ था जिसमें से प्रमुख हिस्सा सरकारी डीटीएच प्लेटफार्म का था। साल 2025 के शीतकालीन सत्र में लोकसभा में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा बताया गया था कि ऑल इंडिया रेडियो और दूरदर्शन ने निजी विज्ञापनों से तीन साल यानी 2022 से 2025 के बीच कुल 587.78 करोड़ कमाए। वहीं, 2025-2026 के अंत तक 650 करोड़ कमाने का लक्ष्य प्रसार भारती ने रखा हुआ है। ये ऐसा लक्ष्य है जिसे भी आसानी से हासिल किया जा सकता है। राष्ट्र निर्माण में प्रसारण की जो स्पर्धिम यात्रा सदियों पहले आरंभ हुई थी वह आज भी निरंतर जारी है। प्रसारण का क्षेत्र जनमानस के मन के तारों को छूता है। प्रसारण के जरिए ही बदलती तकनीकों के साथ संवाद भी निरंतर जारी है। केंद्र सरकार ने फ्री और निशुल्क चैनलों का वर्गीकरण भी बीते कुछ सालों से किया है, ताकि कोई भी दर्शक प्रसारण के रस से अछूता न रहे। ‘बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय’ ऐसा प्रसारण नारा है ।

घटती नदियां, बढ़ता जल संकट- पानी के कुप्रबंधन की कीमत चुका रहा है भारत

(अंशुल उपाध्याय)

आज विश्व की जनसंख्या लगभग आठ अरब है। जलवायु परिवर्तन के कारण जल संकट के बीच पानी की बढ़ती मांग इस समय बड़ी चुनौती बनती जा रही है।

नदियों का घटता जल स्तर गंभीर चिंता का विषय है। यह स्थिति जलवायु परिवर्तन और पानी के अत्यधिक दोहन के कारण पैदा हो रही है। केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की प्रमुख नदियों के बेसिन की क्षमता तेजी से गिरी है। कुछ प्रमुख नदियों के जलस्तर में गिरावट आई है। इस श्रेणी में नर्मदा नदी को देखें, तो जबलपुर में इसके जल स्तर में भारी कमी आई है। ग्वारीघाट और बरगी जैसे क्षेत्रों में पानी काफी कम हो गया है। अलग-अलग हिस्सों में पानी का स्तर एक से तीन मीटर तक कम हुआ है, जिससे कई जगहों पर घाट और टापू नजर आने लगे हैं।

दिल्ली और हरियाणा में भी यमुना का जल स्तर अक्सर अपने सामान्य स्तर से नीचे चला जाता है, जिससे जल शोधन संयंत्रों की क्षमता प्रभावित होती है। गर्मियों में भूजल का स्तर लगभग पचास फीसद तक कम हो जाता है। छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच बहने वाली महानदी का प्रवाह भी अपेक्षाकृत कम हुआ है और इसके बेसिन में भी पानी का स्तर पचास फीसद से भी कम दर्ज किया गया है। दक्षिण भारत की प्रमुख नदियों कावेरी और कृष्णा के जल स्तर में पिछले वर्ष की तुलना में भारी गिरावट (लगभग 33 फीसद) दर्ज की गई है। अगर्वात वर्षा और अत्यधिक गर्मी के कारण दक्षिणी क्षेत्र के प्रमुख जलाशयों में जल स्तर घटकर उनकी कुल क्षमता का मात्र बीस फीसद रह गया है।

जल स्तर में कमी के कारणों में कम वर्षा और जलवायु परिवर्तन अधिक जिम्मेदार हैं। वैश्विक तापमान में वृद्धि और कम वर्षा के कारण प्राकृतिक जल चक्र

प्रभावित हो रहा है। इससे नदियों को पर्याप्त वर्षा जल नहीं मिल पाता। वहीं बांधों ने भी स्थिति बिगाड़ी है। इससे जलग्रहण क्षेत्र कम हुआ है। दरअसल, नदियों पर अधिक बांध बनाने और जलग्रहण क्षेत्रों में पेड़ों की कटाई से नदियों का प्राकृतिक प्रवाह बाधित होता है।



एक समस्या अनिनयंत्रित सिंचाई की भी है। गौरतलब है कि कृषि में भारी मात्रा में पानी का उपयोग होता है, जो कई बार नदियों के प्राकृतिक प्रवाह से ही खींच लिया जाता है, जिससे जल स्तर तेजी से गिरता है। वहीं बोरवेल और नलकूपों के माध्यम से अत्यधिक भूजल निकालने के कारण नदियों का प्राकृतिक जलभरण घट जाता है। इससे गर्मी के महीनों में नदियों का पानी सूखने लगता है। कारखानों के लिए नदियों से बड़ी मात्रा में पानी निकाले जाने से भी असर पड़ है। दूषित पानी वापस छोड़ने से जल की

गुणवत्ता और मात्रा दोनों घटती हैं।

इसके अलावा, पानी का एक वस्तु के रूप में जिस तरह से कारोबार शुरू हुआ है, यह भी चिंता का विषय है। मीठे जल के स्रोतों में भारी कमी के कारण अब पानी को बोतलों और टैरकों में भरकर बेचा जाने लगा है। मुंबई, दिल्ली, पुणे, अहमदाबाद और

हैदराबाद जैसे बड़े शहरों में तो पानी बेचना एक आम बात हो गई है। शहरी लोग अपने दैनिक उपभोग के लिए भी पानी खरीदते हैं। पानी को वस्तुओं की श्रेणी में शामिल किया गया है। इससे यह आशंका पैदा हो गई है कि बाजार पानी की कमी के प्रभावों को और बढ़ा सकता है। शहरों से गुजरने वाली नदियों का पानी अब इतना प्रदूषित हो चुका है कि उसका दैनिक क्रियाकलापों में भी उपयोग नहीं किया जा सकता। ऐसा लगता है कि बड़ी नदियों में शहरों का गंदा पानी छोड़ा जाना

भी प्रायोजित प्रतीत होता है, ताकि पानी के व्यापार को बढ़ावा मिल सके।

जिन देशों में मीठे जल के स्रोत नहीं हैं, वहां समझ आता है कि पानी का व्यापार हो। लेकिन भारत जैसे देश में, जहां मीठे जल के पर्याप्त स्रोत रहे हैं, उनमें कमी आना और पानी का बढ़ता कारोबार अपने पीछे कई सवाल खड़े करता है। नदियों को प्रायोजित तरीकों से प्रदूषित किए जाने की आखिर क्या वजह हो सकती है? क्या इसलिए कि लोग नदी के पानी का सीधे इस्तेमाल न कर सकें? मीठे जल की अन्य देशों में अधिक मात्रा में आपूर्ति क्यों की जा रही है? जगह-जगह बोरिंग की इजाजत देने का मतलब है कि इससे भूजल स्तर लगातार कम होता जाएगा। आज विश्व की जनसंख्या लगभग आठ अरब है। जलवायु परिवर्तन के कारण जल संकट के बीच पानी की बढ़ती मांग इस समय बड़ी चुनौती बनती जा रही है। दूसरी ओर, शहरीकरण से पानी की मांग में तेजी से वृद्धि हुई है। दोनों ही जल संकट के प्रमुख कारण हैं, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां जल आपूर्ति अनिश्चित है। उदाहरण के लिए, वर्ष 2018 में दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन शहर में जल संकट पैदा हुआ और यह चरम सूखे, खराब जल प्रबंधन तथा अत्यधिक खपत के कारण पीने के पानी की कमी का सामना करने वाला पहला बड़ा शहर बना। चीन में भी पानी की कमी का खतरा मंझा रहा है।

हर साल युद्ध और अन्य प्रकार की हिंसा से होने वाली मौतों से कहीं अधिक लोगों का जान जल प्रदूषण की वजह से जाती है। पृथ्वी के जल का केवल एक फीसद से भी कम हिस्सा हमारे उपयोग के लिए उपलब्ध है। इसलिए मानवीय गतिविधियां हमारे जल संसाधनों के लिए गंभीर खतरा बन रही हैं। जल प्रदूषण के कई स्रोत हैं, जिनमें अपशिष्ट जल खास तौर पर शामिल है। विश्व में अस्सी फीसद से

अधिक अपशिष्ट जल बिना शोधित हुए नदियों में वापस चला जाता है। वहीं कीटनाशक और विषैले रसायन भूजल तथा आसपास के जल स्रोतों में रिस जाते हैं। परिणामस्वरूप, बहुमूल्य जल संसाधन दूषित हो जाते हैं। इससे पीने के पानी की उपलब्धता कम होती जाती है।

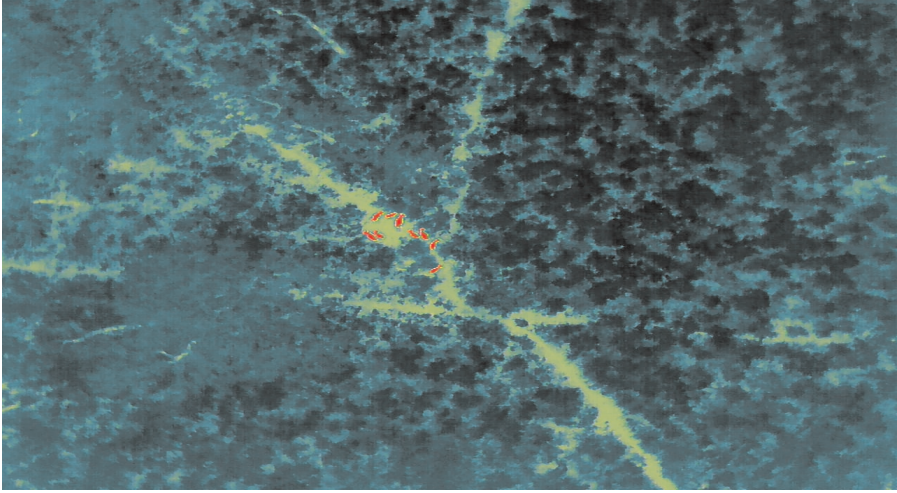
कहा जा सकता है कि जलवायु में हो रहे उथल-पुथल के बीच सूखा एक प्राकृतिक घटना है, जिसमें कुछ क्षेत्रों में एक निश्चित अवधि के लिए शुष्क परिस्थितियां और वर्षा की कमी बनी रहती है। हालांकि वर्षा की मात्रा विभिन्न क्षेत्रों और वर्ष के अलग-अलग समय में स्वाभाविक रूप से भिन्न हो सकती है। जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान वर्षा के स्वरूप को बदल रहे हैं। बढ़ते तापमान का मतलब है कि मिट्टी में मौजूद नमी तेजी से वाष्पित हो जाती है और भीषण लू चलने से सूखे की स्थिति और बिगड़ जाती है। इससे जल संकट बढ़ता है।

जलवायु परिवर्तन, जल प्रबंधन में गड़बड़ी और अत्यधिक खपत के कारण विश्व के कई हिस्सों में जल संकट उत्पन्न हो रहा है। ये परिस्थितियां अगर लगातार बनी रहें, तो भारत में भी समुद्री जल को शोधित करके पीने की नौबत आ सकती है। जल संकट के दुष्परिणाम खाद्य असुरक्षा से लेकर मानवीय संघर्षों में वृद्धि के रूप में सामने आ सकते हैं। ऐसे में वैश्विक जल संस्थाओं के संरक्षण के महत्व को समझा जा सकता है। आज पृथ्वी का कोई भी महाद्वीप जल संकट से अछूता नहीं रहा है, विशेषकर शुष्क क्षेत्रों में। अनुमान है कि आने वाले समय में विश्व की लगभग दो-तिहाई आबादी को जल संकट का सामना करना पड़ेगा। यह चिंताजनक प्रवृत्ति कई लोगों को यह प्रश्न पूछने पर मजबूर कर रही है कि भविष्य में जल की उपलब्धता की सीमा क्या होगी?

थर्मल ड्रोन से लैस हुआ बस्तर वन मंडल : अब रात में भी होगी जंगलों की निगरानी

वन्यजीवों की सुरक्षा, अवैध कटाई और शिकार पर लगेगी लगाम, जल्द बस्तर को मिलेगा अपना थर्मल ड्रोन

जगदलपुर- बस्तर के घने जंगलों की सुरक्षा और वन्यजीवों के संरक्षण के लिए बस्तर वन मंडल अब आधुनिक तकनीक का सहारा ले रहा है। वन विभाग द्वारा कांकेर वन मंडल के सहयोग से थर्मल इमेजिंग ड्रोन कैमरे के माध्यम से जंगलों और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष रूप से रात्रिकालीन निगरानी की जा रही है। इस तकनीक से वन्यजीवों की सुरक्षा के साथ-साथ अवैध कटाई, लकड़ी तस्करी और शिकार जैसी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में मदद मिल रही है।थर्मल इमेजिंग तकनीक शरीर की ऊष्मा हीट सिग्नेचर को पहचानने में सक्षम है। इसके माध्यम से घने जंगलों और रात के अंधेरे में भी वन्यजीवों एवं मानव गतिविधियों का आसानी से पता लगाया जा सकता है। इससे वन विभाग को भालू, तेंदुआ, हाथी सहित अन्य



वन्यजीवों की गतिविधियों की सटीक जानकारी मिल रही है।वन विभाग इस तकनीक का उपयोग मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने में भी कर रहा है। वन क्षेत्र से लगे ग्रामीण इलाकों में यदि हाथियों

अथवा अन्य जंगली जानवरों की गतिविधि की सूचना मिलती है, तो थर्मल ड्रोन के जरिए तत्काल निगरानी कर उनकी लोकेशन का पता लगाया जाता है। इसके आधार पर ग्रामीणों को समय रहते सतर्क

किया जाता है, जिससे जन-धन की हानि को संभावना कम होती है। इसके अलावा जंगलों में अवैध कटाई, लकड़ी तस्करी और वन्यजीवों के शिकार जैसी गैरकानूनी गतिविधियों पर भी थर्मल ड्रोन

प्रभावी साबित हो रहा है। रात के समय भी संदिग्ध गतिविधियों की पहचान कर ड्रोन से प्राप्त फुटेज के आधार पर वन विभाग की क्विक रिस्पॉस टीम (चम्रख) तत्काल कार्रवाई कर रही है।डीएफओ बस्तर उत्तम गुप्ता ने कहा कि आधुनिक तकनीक के इस दौर में थर्मल ड्रोन बस्तर वन मंडल के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित हो रहा है। पिछलाह कांकेर वन मंडल के सहयोग से ड्रोन उपलब्ध कराकर निगरानी की जा रही है तथा जल्द ही बस्तर वन मंडल को भी अपना थर्मल ड्रोन उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस तकनीक से रात्रिकालीन गश्त अधिक प्रभावी हुई है और वनकर्मियों की सुरक्षा भी बेहतर हुई है। बस्तर की समृद्ध जैविक विविधता के संरक्षण के लिए वन विभाग पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

सुरक्षा बलों ने नक्सली डंप संगठन हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री की बरामद

कांकेर। कांकेर 28 जुलाई कांकेर जिले के कोयलीबेड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गड्डकाल और दरवीकोड़े के बीच जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने संयुक्त सर्चिंग अभियान के दौरान नक्सलियों के डंप का पर्दाफ़ाश करते हुए हथियार, गोला-बारूद, बीजीएल सेल, डेटोनेटर तथा अन्य नक्सली सामग्री बरामद की है। कार्रवाई डीआरजी, बीएसएफ एवं बीडीएस की संयुक्त टीम द्वारा की गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में जिले के संवेदनशील एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार नक्सल उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 27 जुलाई को सर्चिंग के दौरान नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखी गई सामग्री बरामद हुई।बरामद सामग्री में एक यूबीजीएल, एक देसी कट्टा, यूबीजीएल सेल, एके-47 एवं एसएलआर के राउंड, 303 राइफल के कारतूस, 8 एमएम तथा 9 एमएम पिस्टल के राउंड, एके-47 और एसएलआर की मैगजीन, 10



बीजीएल सेल, 10 बीजीएल राउंड, 20 डेटोनेटर, लगभग 10 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री (फटाका बारूद) तथा एक बाइनाकुलर सहित अन्य सामग्री शामिल है। सुरक्षा की दृष्टि से बीडीएस टीम ने मौके पर ही विस्फोटक सामग्री को सुरक्षित तरीके से निष्प्रभावी कर नष्ट कर दिया। इस

अभियान में बीएसएफ 40वीं वाहिनी, डीआरजी और कोयलीबेड़ा पुलिस के अधिकारियों एवं जवानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कांकेर पुलिस ने बताया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के उद्देश्य से संयुक्त सर्चिंग अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

कोन्टा पुलिस की बड़ी सफलता: 223.020 किलो गांजा, फर्जी नंबर प्लेट लगी क्रेटा कार सहित तीन अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार

सुकमा। नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे आगज् अभियान के तहत सुकमा जिले की कोन्टा थाना पुलिस ने अंतर्राज्यीय गांजा तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए 223.020 किलोग्राम अवैध गांजा, फर्जी नंबर प्लेट लगी क्रेटा कार, तीन मोबाइल फोन, नकद राशि एवं अन्य दस्तावेज जब्त किए हैं। कार्रवाई में राजस्थान के तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। जब्त सामग्री का कुल अनुमानित मूल्य 1 करोड़ 27 लाख 26 हजार 600 बताया गया है। पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रोहित शाह एवं मनोज किर्की के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी कोन्टा प्रशांत देवागन के पर्यवेक्षण में जिलेभर में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 28 जुलाई की देर रात थाना कोन्टा पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि सफेद रंग की क्रेटा कार में भारी मात्रा में गांजा भरकर मलकानगिरी (ओडिशा) से मोटू पुल होते हुए कोन्टा के रास्ते राजस्थान के भीलवाड़ा ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने स्वतंत्र



गवाहों को साथ लेकर कोन्टा नगर के कृष्ण मंदिर चौक, वार्ड क्रमांक-5 खेंढरा में सघन नाकाबंदी की। सुबह लगभग 9:30 बजे संदिग्ध क्रेटा कार को रोककर विधिवत तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वाहन से 110 पैकेटों में भरा 223.020 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। इलेक्ट्रॉनिक तराजू से वजन कराने पर इसकी पुष्टि हुई। बरामद गांजे की अनुमानित बाजार कीमत 1 करोड़ 11 लाख 50 हजार आंकी गई। पूछताछ में आरोपियों ने अपनी पहचान दुर्गा शंकर खारोल (19 वर्ष), मनीष खारोल (21 वर्ष) तथा रामदेव खारोल (23 वर्ष), निवासी जिला भीलवाड़ा (राजस्थान) के रूप में बताई। पुलिस ने उनके कब्जे से तीन मोबाइल फोन, नकद राशि तथा अन्य सामग्री भी जब्त की। जांच के दौरान एक और बड़ा खुलासा हुआ। वाहन पर ओडिशा का फर्जी पंजीयन

क्रमांक ओडी-02-एक्स-7858 लगाया गया था, जबकि इंजन और चैसिस नंबर के सत्यापन में वाहन का वास्तविक पंजीयन क्रमांक ओडी-02-सीएफ-1159 पाया गया। आरोपियों ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वे ओडिशा के मलकानगिरी क्षेत्र से गांजा खरीदकर राजस्थान में अधिक कीमत पर बेचते थे और पुलिस की नजर से बचने के लिए वाहन पर फर्जी नंबर प्लेट का उपयोग करते थे। थाना कोन्टा में आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 22/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी)(2)(सी), 29 तथा अन्य प्रासंगिक धाराओं में मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। न्यायालय में पेश करने के बाद तीनों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। पुलिस अब गांजे के स्रोत, सप्लाई चेन और इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी हुई है।



नारायणपुर। आयोजित अंतर्राज्यीय समन्वय बैठक में छत्तीसगढ़ एवं महाराष्ट्र के सीमावर्ती क्षेत्रों में संचालित नक्सल विरोधी अभियानों की समीक्षा करते हुए दोनों राज्यों के पुलिस एवं सुरक्षा बलों के बीच समन्वय को और अधिक प्रभावी बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (नक्सल विरोधी अभियान) छत्तीसगढ़ विवेकानंद, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्पेशल ऑफिस महाराष्ट्र डॉ. खेरिंग दोरजे, संयुक्त निदेशक इंटेलिजेंस ब्यूरो तथा विशेष पुलिस महानिरीक्षक नागपुर रेंज अधिकार सुदृढ़ बनाने पर सहमति व्यक्त की गई। साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों में सतत निगरानी, समन्वित कार्रवाई एवं प्रभावी रणनीति के माध्यम से वामपंथी उग्रवाद के विरुद्ध अभियान को और तेज करने पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने सुरक्षा

रेंज बी.एन. मीणा, पुलिस अधीक्षक गढ़चिरोली एम. रमेश, पुलिस अधीक्षक कांकेर निखिल रकेचा, पुलिस अधीक्षक नारायणपुर संदीप कुमार पटेल, पुलिस अधीक्षक बीजापुर उमेश गुप्ता सहित दोनों राज्यों के पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सीमावर्ती क्षेत्रों की वर्तमान सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करते हुए संयुक्त नक्सल विरोधी अभियानों, खुफिया सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान तथा आपसी समन्वय को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर सहमति व्यक्त की गई। साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों में सतत निगरानी, समन्वित कार्रवाई एवं प्रभावी रणनीति के माध्यम से वामपंथी उग्रवाद के विरुद्ध अभियान को और तेज करने पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने सुरक्षा

बलों के मध्य बेहतर समन्वय, निर्धारित सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन, पेशेवर कार्यशैली तथा उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। जनसहयोग एवं मजबूत खुफिया तंत्र के माध्यम से क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं विकास के वातावरण को और सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की गई। बैठक के अंत में सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित कार्ययोजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए अंतर्राज्यीय समन्वय बनाए रखने तथा संयुक्त प्रयासों के माध्यम से नक्सल विरोधी अभियानों को और प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए गए।

एसपी पंकज चंद्रा ने आईपीएस इंडक्शन ट्रेनिंग में हासिल किया उत्कृष्ट स्थान, टॉप-5 में शामिल होने पर मिला हाई अचीवमेंट सम्मान

कोण्डागांव। जिले के पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित पुलिस प्रशिक्षण संस्था सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी (एसवीपीएनपीए) हैदराबाद में आयोजित 48वें आईपीएस इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए टॉप-5 स्थान हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि के लिए अकादमी द्वारा उन्हें हाई अचीवमेंट सम्मान प्रदान किया गया है। सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी हैदराबाद के 48वां आईपीएस इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स 6 अप्रैल से 15 मई तक आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों के कक्षा में प्रदर्शन, सहभागिता, सामान्य आचरण, प्रस्तुत किए



गए केस स्टडी और बहुविकल्पीय प्रश्न (एमसीक्यू) परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर मूल्यांकन किया गया। इस मूल्यांकन में छत्तीसगढ़ कैडर के आईपीएस अधिकारी एवं कोण्डागांव पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए श्रेष्ठ पांच प्रतिभागियों में स्थान बनाया। इसके बाद अकादमी की ओर से उन्हें हाई अचीवमेंट सम्मान प्रदान किया गया। पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा की यह उपलब्धि कोण्डागांव जिले के लिए गौरव का विषय मानी जा रही है। आईपीएस प्रशिक्षण में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट स्थान प्राप्त कर उन्होंने अपनी कार्यक्षमता, नेतृत्व क्षमता और प्रशिक्षण के प्रति समर्पण का परिचय दिया है।

कुआकोंडा में नशामुक्ति अभियान: नाटक और नृत्य से विद्यार्थियों ने दिया जागरूकता का संदेश



किरंदुल। विकासखंड कुआकोंडा के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सोमवार को नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रमोद सिंह भदौरिया ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भदौरिया ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति का ही नहीं, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र के भविष्य का सबसे बड़ा शत्रु है। उन्होंने विद्यार्थियों से किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने, स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन

अपनाने तथा अपने परिवार और आपस के लोगों को भी नशामुक्ति के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी ही कल के जिम्मेदार नागरिक हैं, इसलिए नशामुक्त समाज के निर्माण में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने नशामुक्ति विषय पर आधारित नुकड़ नाटक, नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। नाटक के माध्यम से दर्शाया गया कि नशे की लत किस प्रकार व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवार, आर्थिक स्थिति एवं सामाजिक सम्मान

को प्रभावित करती है। विद्यार्थियों की प्रभावशाली प्रस्तुति ने उपस्थित सभी को भावुक करने के साथ नशामुक्त जीवन का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम ने उपस्थित सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने नशे से दूर रहने तथा समाज में नशामुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी, खंड स््रोत समन्वयक, विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकाण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

सहकारिता मंत्री केदार कश्यप से मिले जिला सहकारी बैंकों के अध्यक्ष

सहकारिता के सशक्तिकरण पर अहम बैठक, अध्यक्ष दिनेश कश्यप हुए शामिल

जगदलपुर। मंत्रालय महानदी भवन में सहकारिता मंत्री केदार कश्यप से प्रदेश के सहकारी बैंकों के अध्यक्षों ने सौजन्य भेंट कर सहकारिता आंदोलन को और अधिक सशक्त बनाने के विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, जगदलपुर के अध्यक्ष दिनेश कश्यप भी शामिल हुए।बैठक में पैक्स समितियों के माध्यम से किसानों को उपलब्ध कराई जा रही योजनाओं एवं सुविधाओं की समीक्षा की गई। साथ ही प्राथमिक कृषि साख समितियों को मजबूत करने, सहकारी संस्थाओं के कार्य-व्यवसाय के विस्तार और पारदर्शी संचालन पर विशेष जोर दिया गया।



भर्ती, कर्मचारियों के स्थानांतरण, धान खरीदी के दौरान आने वाली व्यावहारिक समस्याओं, कालातीत श्रेणों की वस्तु, अनुकंपा नियुक्ति, कर्मचारियों के भत्ते

तथा एक्सग्रेशिया भुगतान जैसे विषय प्रमुख रहे। सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने इन सभी मुद्दों के समाधान के लिए आवश्यक एवं सकारात्मक पहल

का आश्वासन दिया। बैठक में सहकारिता विभाग के अधिकारियों ने डिजिटल तकनीक के उपयोग, समितियों के आधुनिकीकरण, पारदर्शिता बढ़ाने तथा

ग्रामीण स्तर पर जागरूकता अभियान चलाकर सहकारी संस्थाओं को अधिक प्रभावी एवं आत्मनिर्भर बनाने पर भी बल दिया।

पुलिस ने जनचौपाल लगाकर ग्रामीणों को साइबर अपराध यातायात नियम और नए कानूनों की दी जानकारी

सुकमा। जिले के नक्सल प्रभावित ग्राम अन्दूमपाल में पुलिस द्वारा ग्रामीणों के साथ जनजागरूकता बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्राम पटेल, पुजारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। बैठक के दौरान पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को बढ़ते साइबर अपराधों से सतर्क रहने की सलाह देते हुए बताया कि किसी भी अज्ञात कॉल, लिंक, ओटीपी या बैंक संबंधी जानकारी किसी के साथ साझा न करें। साथ ही ऑनलाइन ठगी की आशंका होने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने की अपील की गई। ग्रामीणों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने तथा यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अलावा देश में लागू नए



आपराधिक कानूनों की प्रमुख जानकारी भी साझा की गई, ताकि आम नागरिक अपने अधिकारों और कानूनी प्रक्रियाओं से परिचित हो सकें। बैठक में पुलिस ने विशेष रूप से ग्रामीणों से अपील की कि यदि कोई व्यक्ति नक्सली विचारधारा का प्रचार-प्रसार करता है, युवाओं को गुमराह करने का प्रयास करता है या किसी भी संदिग्ध गतिविधि की

जानकारी मिले तो उसकी सूचना तत्काल निकटतम थाना या पुलिस को दें। अधिकारियों ने कहा कि ग्रामीणों के सहयोग से ही क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और विकास को और अधिक मजबूती मिल सकती है। बैठक के अंत में ग्रामीणों ने पुलिस के साथ सहयोग बनाए रखने तथा गांव में शांति एवं कानून व्यवस्था कायम रखने का भरोसा दिलाया।

संक्षिप्त समाचार

मलेरिया रोकथाम के लिए विद्यार्थियों ने निकाली जागरूकता रैली

बिलासपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मझगाँव में आज मलेरिया जागरूकता अभियान के अंतर्गत छात्र-छात्राओं द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई। विद्यालय के प्राचार्य श्री शैलेश कुमार पांडेय के मार्गदर्शन में आयोजित इस रैली के माध्यम से विद्यार्थियों ने गांव में भ्रमण कर मलेरिया से बचाव के संबंध में ग्रामीणों को जागरूक किया। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने मलेरिया से बचाव संबंधी नारे लगाते हुए लोगों को मच्छरों से सुरक्षा के लिए मलेरिया रोधी क्रीम का उपयोग करने, शरीर को पूरी तरह ढँकने वाले कपड़े पहनने, घर एवं आसपास पानी का जमाव नहीं होने देने तथा खुशार आने पर बिना देरी किए निकटम स्वास्थ्य केंद्र में जांच एवं उपचार कराने की सलाह दी। इस अवसर पर विद्यालय के व्याख्याता श्री शोभा राम पालके, श्रीमती गीता पांडेय, श्रीमती पूनम सिंह, श्री हेमन्त अन्तं, श्री लीला राम खुटे तथा क्रीड़ा अधिकारी श्री रंजीत खुटे सहित विद्यालय का स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों में मलेरिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समय पर बचाव और उपचार के लिए प्रेरित करना था।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने किया गया केन्द्रों का निरीक्षण

कोरबा। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के बेहतर संचालन एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवाओं के प्रगति की मॉनिटरिंग हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी के द्वारा दिनांक 27.07.2026 को सामु.स्वा.केन्द्र पोंडी उपरोड़ा तथा शहरी आयुष्मान् आरोग्य मंदिर दर्सी बस्ती का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी, आईपीडी, प्रसव कक्ष, ओटी, एनआरसी, दवा वितरण कक्ष, भंडार कक्ष, प्रयोगशाला, एक्स-रे कक्ष का अवलोकन किए तथा संधारित अभिलेखों को देखकर कमियों में आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने ओपीडी, आईपीडी में भर्ती मरीजों तथा परिजनों से स्वास्थ्य केन्द्रों में मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी प्राप्त किए। स्टोर में दवाओं की उपलब्धता, दवाओं तथा उपकरणों के रखरखाव तथा चिकित्सालय में साफ-सफाई के संबंध में निर्देश दिए।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के द्वारा उपस्थित चिकित्सकों एवं कर्मचारियों को समय पर उपस्थिती, आधार बेस्ड 100 प्रतिशत उपस्थिती ईड्राज करने ,मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, आयुष्मान भारत आभा आई डी बनाने, क्यावंदना कार्ड बनाने, टीकाकरण, परिवार कल्याण, एनसीडी तथा अन्य राष्ट्रीय कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन ,शतप्रतिशत उपलब्धि, मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाये उपलब्ध करने तथा समस्त कार्यक्रमों की उपलब्धि को सबंधित पोर्टल में इन्द्राज करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने बारिश के मौसम में होने वाली मौसमी विमारी एवं सर्पदंश से निपटने आवश्यक तैयारियों एवं आवश्यक दवाईयों कि उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए साथ ही कहा कि शासन के सभी योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को प्रदान किया जावे ,अस्पताल आने वाले मरीजों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जावे तथा उनके इलाज पर विशेष ध्यान एवं सावधानी बरती जावे।

बंजारी गांव में लोनर हाथी ने फिर एक ग्रामीण के मकान को किया क्षतिग्रस्त, ग्रामीणों में भय व्याप्त

कोरबा। जिले के कटघोरा वनमंडल अंतर्गत एतमानगर रेंज के मड़ई सर्किल में उत्पात मचाकर ग्रामीणों एवं वन विभाग की नाकों में दम कर देने वाला उत्पाती लोनर हाथी बीती रात एक बार फिर बंजारीपारा के रापेरपारा में धावा बोल दिया। हाथी रात्रि 2 बजे के लगभग बस्ती में चिंधाड़ते हुए पहुंचा और ईश्वर नामक एक ग्रामीण के घर को निशाना बनाते हुए क्षतिग्रस्त कर दिया। अचानक लोनर के यहां पहुंचने से ईश्वर के परिवार दहशत में आ गए, लेकिन हिम्मत जुटाते हुए घर के एक कोने में छिपकर जान बचाई और इसकी सूचना वन विभाग को दी। जिस पर क्षेत्र में हाथियों की निगरानी में तैनात वन विभाग के कर्मचारियों व हाथी मित्र दल की टीम बिना विलंब किए मौके पर पहुंची और लोनर से घिरे ईश्वर व उसके परिवार को घर से निकालकर सुरखित ठिकाने पर पहुंचाया। तत्पश्चात् लोनर को खदेड़ा जिस पर लोनर ने वापस जंगल का रूख किया। रात भर टीम गांव में ही डटी रही। सुबह होने पर हाथी द्वारा किए गए नुकसानी का आंकलन करने के बाद वापस लौटी। ज्ञात रहे क्षेत्र में लोनर का काफी आतंक है, लोग इसके डर से अपने घरों में दुबकने को मजबूर हैं। शाम होते ही ग्रामीण अपने-अपने घरों का दरवाजा बंद कर कैद हो जा रहे हैं तथा खेतों में भी नहीं पहुंच रहे हैं। लोनर हाथी जब से क्षेत्र में दस्तक दिया है। उसका उत्पात लगातार जारी है। पिछले तीन दिनों के भीतर लोनर ने अपना उग्र रूप दिखाते हुए अब तक बंजार गांव के 7 ग्रामीणों का घर ढहा चुका है। इधर कोरबा वनमंडल से करतला रेंज में पहुंचे दैतैल हाथी ने अभी कोई नुकसान नहीं पहुंचाया है। हाथी पिपछलाते दो दिनों से रेंज के घोटमार जंगल विचरण कर रहा है, जिसकी निगरानी संबंधित अमले द्वारा की जा रही है।

धरती का श्रृंगार हैं वृक्ष,प्रत्येक व्यक्ति पौधरोपण का संकल्प ले : उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव....

बिलासपुर। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि वृक्ष धरती का श्रृंगार ही नहीं, बल्कि जीवन का आधार हैं। जल संरक्षण, स्वच्छ पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधरोपण कर उसके संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने यह बात आज गुरु पूर्णिमा एवं अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर वन विभाग द्वारा पंडित सुंदरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। इस अवसर पर उन्होंने “एक पेड़ मां के नाम” अभियान के तहत पौधरोपण किया। उप मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई तथा वन विभाग के “पौधा तुंहर दुहार” वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तैदृप्तता

संग्राहकों को बोनस राशि का वितरण भी किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर शिक्षा के मंदिर में वृक्षारोपण होना अत्यंत सुखद एवं प्रेरणादायी है। गुरु त्याग, समर्पण और ज्ञान के प्रतीक होते हैं तथा आज का दिन गुरुओं के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि आज अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस भी है, जो हमें वन एवं वन्यजीव संरक्षण के महत्व की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार मानव शरीर अनेक अंगों से मिलकर बना है, उसी प्रकार पृथ्वी पर जीवन के संतुलन के लिए वृक्ष अत्यंत आवश्यक हैं। जल संरक्षण, स्वच्छ पर्यावरण और धरती को जीवनदायी बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से पौधरोपण को जनआंदोलन



बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किया गया “एक पेड़ मां के नाम” अभियान प्रकृति और मातृत्व के प्रति सम्मान का प्रतीक है। प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का दायित्व भी निभाना चाहिए। बिल्हा

लगाए तथा उसके संरक्षण का संकल्प भी ले। सीसीएफ श्री मनोज पांडे ने वन महोत्सव के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्ष 1950 से प्रारंभ हुआ यह अभियान आज भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता का प्रभावी माध्यम बना हुआ है। इस अवसर पर मस्तूरी विधायक श्री दिलीप लहरिया, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, बिल्हा जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री रामकुमार कौशिक, कुलपति डॉ. विरेन्द्र कुमार सारस्वत, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश कुमार सर्वे, वनमंडलाधिकारी श्री नीरज दुष्परिणाम आज सामने आ रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जन्मदिन एवं अन्य विशेष अवसरों पर एक पौधा अवश्य

विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने कहा कि वन मानव जीवन और प्रकृति के संतुलन का आधार हैं। वनों की अंधाधुंध कटाई के दुष्परिणाम आज सामने आ रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जन्मदिन एवं अन्य विशेष अवसरों पर एक पौधा अवश्य

बिलासपुर। रेल परिचालन में संरक्षा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सजगता एवं बेहतर संरक्षा कार्य में सहभागिता निभाने वाले रेल संरक्षा के सजग प्रहरी कर्मचारियों का सम्मान महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा हर माह आयोजित संरक्षा बैठक के दौरान किया जाता है। इसी कड़ी में आज दिनांक 28 जुलाई, 2026 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में कार्यरत संरक्षा कोटि के 05 कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय संरक्षा संबंधी कार्य निष्पादन के लिए प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी श्री अनूप सतपथी के द्वारा सम्मानित किया गया। बिलासपुर रेल मण्डल के यातायात सहायक-I/ हरद, श्री दीपक कुमार सिंह ने दिनांक 04 जून, 2026 को अपने ड्यूटी के दौरान गाड़ी संख्या N/BOX-99 में वेगन Rm.- SWR-12150842591 (ब्रेकवेन से चौथा वेगन) मे से जोरदार आवाज आ रही है जिसकी जानकारी उन्होंने अपने इंजांच को दी। तत्पश्चात, जाँच करने पर उक्त वेगन के चक्के में प्लैट टायर पाया गया। जिसके उपरांत

आवश्यक कार्यवाही कर गाड़ी का सुरक्षित संचालन किया गया। इस प्रकार श्री दीपक कुमार सिंह की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई। बिलासपुर रेल मंडल के लोको पायलट(गूड्स)/ शहडोल, श्री अजय कुमार सिंह ने अपने ड्यूटी के दौरान देखा कि गाड़ी संख्या NBOX-844 में ड्यूटि के दौरान किमी संख्या 952/08 (अत्यधिक कर्व वाला स्थान, जहाँ दूर तक दृश्यता नहीं थी) पर अचानक गायों का झुंड डाउन लाइन पर



देखा, जिससे केटल रन ओवर की घटना हुई। केटल रन ओवर के परिणामस्वरूप लोको से 4th वेगन एवं 5th वेगन के बीच BP पाइप अनकपल हो गया। यह स्थान किमी संख्या 951/36-38, जोहिला ब्रिज के मध्य था, जहाँ पहुँचने का कोई सीधा रास्ता उपलब्ध नहीं था। ऐसी जोखिमपूर्ण परिस्थिति में श्री अजय कुमार सिंह ने अदम्य साहस एवं कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए वेगनों के नीचे लेटकर एवं खिसकते हुए ब्रिज के बीच तक पहुँचकर

बीपी पाइप को पुनः कपल किया जिससे कि संभावित सेक्शन फेल्योर को टालते हुए मात्र 35 मिनट में सेक्शन को क्लियर कर दिया गया। इनके द्वारा की गई त्वरित कार्यवाही ने एक संभावित गंभीर घटना को टाल दिया। तत्पश्चात, आवश्यक कार्यवाही कर गाड़ी का सुरक्षित संचालन किया गया। इस प्रकार, इनकी सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई। बिलासपुर मंडल के वरिष्ठ ट्रेन मैनेजर (गुड्स)/ बिलासपुर, श्री

संतोष कुमार यादव ने ड्यूटी के दौरान गाड़ी संख्या N/BSPC में कार्यरत थे और गाड़ी NIA-HOME सिग्नल पर खड़ी थी उसी दौरान मध्य लाइन से गुज़र रही गाड़ी संख्या- 12860 (अप गीतांजली)से सिग्नल आदान- प्रदान करते समय (02:50 बजे) देखा कि उसके इंजन से ग्यारहवें वैनगन के चक्के से आग और धुआँ उठ रहा है तो उन्होंने तुरंत इसकी जानकारी नैला ऑन ड्यूटि स्टेशन मास्टर को दी जिसके उपरांत जांच करने पर हॉट एक्सल पाया गया। तत्पश्चात, आवश्यक कार्यवाही कर गाड़ी का सुरक्षित संचालन किया गया। अपने ड्यूटि के दौरान ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित करने हेतु सम्मानित किया जा चुका है। बिलासपुर मंडल के यातायात सहायक-II टेंगनमाड़ा, श्री शुभम गुप्ता ने ड्यूटी के दौरान ने सिग्नल आदान- प्रदान करते समय देखा कि टेंगनमाड़ा स्टेशन से १५ पास हो रही मालगाड़ी मे ब्रेकवेन से 14वें वैनगन मे हॉट एक्सल है तो तुरंत ट्रेन मैनेजर को लाल सिग्नल दिखाया तथा उन्होंने इसकी जानकारी स्वरटेंगनमाड़ा को दी।

बिलासपुर स्टेशन में चला किला बंदी टिकट चेकिंग अभियान.....

283 मामलों में 2 लाख

25 हजार 900 रुपये

का ज़ुर्माना वसूला गया।



स्टाफकी सक्रिय भागीदारी रही।इस अभियान के दौरान कुल 283 मामलों से 2,25,900 रुपये बतौर ज़ुर्माना वसूला गया। इनमें बिना टिकट यात्रा के 217 मामलों से 1,91,265 रुपये, अनियमित टिकट के 47 मामलों से 32,735 रुपये तथा बिना बुक किए गए लगेज के 19 मामलों से 1,900 रुपये का ज़ुर्माना शामिल है। रेल प्रशासन यात्रियों से

अपील करता है कि वे यात्रा के लिए उचित एवं वैध टिकट लेकर ही यात्रा करें तथा स्टेशन परिसर में प्रवेश से पूर्व प्लेटफ़र्म टिकट अवश्य खरीदें। एक प्लेटफ़र्म से दूसरे प्लेटफ़र्म पर जाने के लिए फुटओवर ब्रिज का ही उपयोग करें। रेलगाड़ी राष्ट्रीय संपत्ति है, इसे स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाए रखने में रेल प्रशासन का सहयोग करें।

बंजारी गांव में लोनर हाथी ने फिर एक ग्रामीण के मकान को किया क्षतिग्रस्त,ग्रामीणों में भय व्याप्त

कोरबा। जिले के कटघोरा वनमंडल अंतर्गत एतमानगर रेंज के मड़ई सर्किल में उत्पात मचाकर ग्रामीणों एवं वन विभाग की नाकों में दम कर देने वाला उत्पाती लोनर हाथी बीती रात एक बार फिर बंजारीपारा के रापेरपारा में धावा बोल दिया। हाथी रात्रि 2 बजे के लगभग बस्ती में चिंधाड़ते हुए पहुंचा और ईश्वर नामक एक ग्रामीण के घर को निशाना बनाते हुए क्षतिग्रस्त कर दिया। अचानक लोनर के यहां पहुंचने से ईश्वर के परिवार दहशत में आ गए, लेकिन हिम्मत जुटाते हुए घर के एक कोने में छिपकर जान बचाई और इसकी सूचना वन विभाग को दी। जिस पर क्षेत्र में हाथियों की निगरानी में तैनात वन विभाग के कर्मचारियों व हाथी मित्र दल की टीम बिना विलंब किए मौके पर पहुंची और लोनर से घिरे ईश्वर व उसके परिवार को घर से निकालकर सुरखित ठिकाने पर पहुंचाया। तत्पश्चात् लोनर को खदेड़ा जिस पर लोनर ने वापस जंगल का रूख किया। रात भर टीम गांव में ही डटी रही। सुबह होने पर हाथी द्वारा किए गए नुकसानी का आंकलन करने के बाद वापस लौटी। ज्ञात रहे क्षेत्र में लोनर का काफी आतंक है, लोग इसके डर से अपने घरों में दुबकने को मजबूर हैं। शाम होते ही ग्रामीण अपने-अपने घरों का दरवाजा बंद कर कैद हो जा रहे हैं तथा खेतों में भी नहीं पहुंच रहे हैं। लोनर हाथी जब से क्षेत्र में दस्तक दिया है। उसका उत्पात लगातार जारी है। पिछले तीन दिनों के भीतर लोनर ने अपना उग्र रूप दिखाते हुए अब तक बंजार गांव के 7 ग्रामीणों का घर ढहा चुका है। इधर कोरबा वनमंडल से करतला रेंज में पहुंचे दैतैल हाथी ने अभी कोई नुकसान नहीं पहुंचाया है।

बिलासपुर। जिले के प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक सुरक्षित एवं नियमित पेयजल पहुंचाने के लक्ष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कलेक्टर एवं जिला जल एवं स्वच्छता मिशन (डीडब्ल्यूएसएम) के अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत स्वीकृत सभी योजनाओं को भारत सरकार द्वारा निर्धारित समय-सीमा के अनुसार मार्च 2027 तक गुणवत्तापूर्वक पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित एजेंसी एवं अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। कलेक्टर श्री अग्रवाल बुधवार को कलेक्टोरेट स्थित मंथन सभाकक्ष में आयोजित जल जीवन मिशन की विस्तृत समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में जिला जल एवं स्वच्छता



मिशन के सचिव एवं कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग श्री रुपेश धनंजय ने विभागीय प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। बैठक में विभागीय अधिकारियों, सहायक अभियंताओं, उप अभियंताओं तथा विभिन्न निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने हर घर जल प्रमाणित 219 योजनाओं के हस्तांतरण, मूल्यांकन एवं शेष आवश्यक कार्यों का शीघ्र निरीक्षण कर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने लंबित भुगतान के प्रकरणों

का त्वरित परीक्षण कर पात्र योजनाओं का भुगतान सुनिश्चित करने तथा शेष योजनाओं में हर घर जल प्रमाणन की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने कहा कि सीआईआरपी के अनुसार अक्टूबर 2026 एवं मार्च 2027 की समय-सीमा

वाली सभी योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए, ताकि निर्धारित लक्ष्य समय पर हासिल किए जा सकें। उन्होंने विद्युत कनेक्शन एवं अन्य विभागों से जुड़े मामलों का त्वरित निराकरण कर निर्माण कार्यों में किसी प्रकार का अनावश्यक विलंब नहीं होने देने के निर्देश दिए।इन्होंने जल संकट संभावित ग्रामों में प्रैक़र जोन आधारित स्रोत सुदृढ़ीकरण, रिचार्ज संरचनाओं के निर्माण तथा जल स्रोतों की स्थायित्व संबंधी कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए।

सिरगिट्टी में मारपीट और उपद्रव करने वाले 8 आरोपी गिरफ्तार 2 चाकू और 1 तलवार जब्त

बिलासपुर। बिलासपुर जिले के सिरगिट्टी थाना क्षेत्र में मारपीट कर शांति एवं कानून व्यवस्था भंग करने वाले आठ आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से दो धारदार चाकू और एक तलवार भी बरामद की गई है। सभी आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस के अनुसार, 26 जुलाई 2026 की रात करीब 8 बजे नर्सरी गेट के सामने मैट्रिक चौक के पास शराब पीने के लिए पैसे मांगने की बात को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई, जिससे क्षेत्र की शांति एवं कानून व्यवस्था

प्रभावित हुई। घटना की सूचना मिलते ही सिरगिट्टी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों मामलों में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की गंभीर धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। लगातार दबिश और घेराबंदी के बाद पुलिस ने सभी 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से दो धारदार चाकू और एक तलवार बरामद की गई, जिन्हें जब्त कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी के दौरान बचने की कोशिश में आरोपी भागते हुए गिर गए, जिससे उन्हें चोटें आईं। सभी आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा के लिए समर्पित सावन माह

हर शिव भक्तों सावन माह का बड़ी बेसह्री के साथ इंतजार करते हैं। यह पूरा महीना भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा के लिए समर्पित है। सावन में सोमवार व्रत किया जाता है वहीं इसी माह प्रत्येक मंगलवार को माता पार्वती (मंगला गौरी) का व्रत रखा जाता है। यह व्रत वैवाहिक जीवन में मधुरता और संतान सुख के लिए विशेष माना जाता है। सावन में उपवास रखने के साथ ही कांड़ यात्रा भी निकाली जाती है। शिवभक्त यानी कांड़िए गंगाजल भरकर पैदल यात्रा करते हैं और मुख शिवालयां (जैसे देवघर, नीलकंठ, काशी विश्वनाथ) में शिवलिंग पर जलाभिषेक करते हैं।



पूरे सावन में उज्जैन, काशी, देवघर, हरिद्वार में शिवभक्त और कांड़िए की भारी भीड़ रहती है। चारों तरफ बोल बम और हर, हर महादेव की गूंज सुनाई देती है। तो आइए जानते हैं कि इस साल सावन का महीना कब से शुरू हो रहा है और श्रावण सोमवार की तिथियां क्या रहेगी। हिंदू धर्म में सावन केवल एक महीना नहीं, बल्कि शिव आराधना का महापर्व माना जाता है। मान्यता है कि, सावन में सबसे मन से भगवान शिव की पूजा, जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और व्रत करने से महादेव शीघ्र प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। पूरे सावन में आने वाले सावन सोमवार का विशेष महत्व होता है। इस दिन व्रत और पूजा करने से भगवान शिव के साथ माता पार्वती की भी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

शुभ योग में शुरू होगा सावन 2026
पंचांग के अनुसार, श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि 29 जुलाई 2026 को रात 8:05 बजे से शुरू होगी और इसका समापन 30 जुलाई 2026 को रात 9:30 बजे होगा। उदया तिथि के आधार पर 30 जुलाई 2026, गुरुवार से सावन महीने की शुरुआत मानी जाएगी।

कब है सावन 2026 का पहला सोमवार ?

साल 2026 का पहला सावन सोमवार 3 अगस्त 2026 को है। इस दिन भगवान शिव की विशेष पूजा, जलाभिषेक और व्रत का अत्यंत शुभ फल प्राप्त होता है। धार्मिक मान्यता है कि, इस दिन श्रद्धा और विधि-विधान से शिव आराधना करने से वैवाहिक सुख और मनोकामनाओं की प्राप्ति होती है। इस दिन उत्तराभाद्रपद नक्षत्र रहेगा तथा सुकर्म योग का शुभ संयोग भी बनेगा, जिससे पूजा का महत्व कई गुना बढ़ जाएगा।

सावन सोमवार 2026
पहला सावन सोमवार – 3 अगस्त 2026
दूसरा सावन सोमवार – 10 अगस्त 2026
तीसरा सावन सोमवार – 17 अगस्त 2026
चौथा सावन सोमवार – 24 अगस्त 2026



सावन सोमवार व्रत के नियम
सावन सोमवार के दिन भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा करें और शिवलिंग का अभिषेक करें। महादेव को बेलपत्र, धतूरा और सफेद चंदन अर्पित करें। इस दिन तामसिक भोजन का सेवन करने से बचें। व्रत के दौरान दिन में न सोएं और प्रदोष काल में भगवान शिव की विशेष पूजा अवश्य करें। जरूरतमंदों को अपनी श्रद्धा के अनुसार दान करें और किसी से भी विवाद या कटु वचन बोलने से बचें। व्रत के दौरान ब्रह्मचर्य का पालन करें और सात्विक आचरण अपनाएं।

पहले सावन सोमवार का शुभ मुहूर्त
ब्रह्म मुहूर्त : सुबह 4:19 बजे से 5:01 बजे तक
अभिजीत मुहूर्त : दोपहर 12:00 बजे से 12:54 बजे तक

बच्चों की बढ़ती उम्र में उनकी लंबाई को लेकर माता-पिता अक्सर चिंतित रहते हैं। अच्छी हाइट के लिए सही खानपान, पर्याप्त नींद और नियमित शारीरिक गतिविधि का अहम योगदान होता है। इसी में योग एक प्राकृतिक तरीका है, जो शरीर की लचक बढ़ाने, पोस्चर सुधारने और मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद कर सकता है। अगर आपके घर में कोई बच्चा है, जिसकी लंबाई उम्र के हिसाब से कम बढ़ रही है, तो उसकी दिनचर्या में कुछ आसान योगासन शामिल किए जा सकते हैं। योग शरीर के विकास के लिए जरूरी स्ट्रेचिंग प्रदान करता है और रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाने में सहायक हो सकता है। हालांकि, लंबाई मुख्य रूप से जेनेटिक्स और उम्र से जुड़ी होती है, लेकिन सही एक्सरसाइज और स्वस्थ जीवनशैली बच्चों के संपूर्ण विकास में मदद करती है। आइए जानते हैं बच्चों के लिए ऐसे आसान योग पोज, जिन्हें नियमित अभ्यास में शामिल किया जा सकता है।

सबसे पहले तांबे के लोटे से शिवलिंग पर जल और गंगाजल अर्पित करें। इसके बाद आप चाहें तो पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद, शक्कर) भी शिवलिंग पर चढ़ा सकते हैं। अगर दूध, दही या फिर पंचामृत चढ़ा रहे हैं तो उसके बाद जल जरूर चढ़ाएं। अभिषेक करते समय मन ही मन लगातार ॐ नमः शिवाय या महामृत्युंजय मंत्र का जाप करते रहें। अगर घर पर शिवलिंग का अभिषेक कर रहे हैं तो शिवलिंग को साफ कपड़े से पोछ लें। फिर सफेद चंदन और भस्म से शिवलिंग पर त्रिपुंड लगाएं। फिर अक्षत अर्पित करें। इसके बाद बेलपत्र, धतूरा, भांग, शमी पत्र, इत्र और आंकड़े के फूल इत्यादि सामग्री शिवलिंग पर अर्पित करें। अगर सभी सामग्री नहीं है तो आप

सिर्फ बेलपत्र भी चढ़ा सकते हैं। फिर भोग लगाएं और धूप-दीपक जलाएं।

फिर शिवजी की आरती करें और जाने-अनजाने में हुई भूल की क्षमा मांगें।

शिवलिंग की पूजा के समय न करें ये गलतियां
शिवलिंग पर दूध चढ़ाते समय कभी भी तांबे के बर्तन का उपयोग न करें। शिवलिंग पर कभी भी हल्दी, सिंदूर या कुमकुम भी न लगाएं। शिवलिंग पर तुलसी के पते भी न चढ़ाएं। शिवलिंग की कभी भी पूरी परिक्रमा न करें। जहां से शिवलिंग का जल बहकर बाहर निकलता है, उसे कभी लांधना नहीं चाहिए। इसी कारण से शिवलिंग की हमेशा आधी परिक्रमा की जाती है।

आज का राशिफल

मेघ राशि

आज का दिन आपके लिए मंगलमय रहेगा। संतान की परीक्षा के परिणाम आपको खुशी देगे और कार्यक्षेत्र में आप लोगों का दिल जीतने में सफल होंगे। परिवार में एकजुटता बनी रहेगी और आय में वृद्धि से मन प्रसन्न रहेगा। हालाँकि किसी परिवार सदस्य की सेहत आपको चिंता दे सकती है और मित्र निवेश को लेकर सुझाव दे सकते हैं।

वृषभ राशि

आज का दिन उन्नति की राह पर बढ़ने का रहेगा। परिवार के लिए लिए गए निर्णय पर कभी-कभी पछतावा हो सकता है। किसी से बिना सोचे-समझे वादा न करें, वाणी में संयम रखें। रहन-सहन सुधारने की कोशिश करेंगे और मन की कोई इच्छा पूरी होने से प्रसन्नता का ठिकाना नहीं रहेगा।

मिथुन राशि

आज नई प्रॉपर्टी की खरीदारी लाभदायक होगी। कार्यक्षेत्र में मनपसंद काम मिलेगा और संतान के साथ पिकनिक की योजना बन सकती है। उधार लिया हुआ धन वापस लिया जा सकेगा। माता-पिता की सेहत पर थोड़ा ध्यान दें और परिवार में भाई-बहनों से चल रही खटपट का समाधान निकालेंगे। मानसिक तनाव कम करने के लिए खुद को थोड़ा आराम दें।

कर्क राशि

छेद, छेद लगातार चुनाव मददगार रास्ते खोल सकते हैं। परिवार का सपोर्ट मुझे को बेहतर बनाता है। ज्यादातर काम कॉन्फिडेंस और प्रगति के साथ आगे बढ़ता है, जिससे आज मापने योग्य परिणाम मिलेंगे। मानसिक तनाव कम करने के लिए खुद को थोड़ा आराम दें।

सिंह राशि

आज का दिन धन-धान्य में वृद्धि लेकर आएगा। घर में नया वाहन लाना संभव है। जीवनसाथी आपके कामों में सहयोग देगे। पिताजी से कार्यों पर बातचीत लाभकारी रहेगी। किसी काम को लेकर संशय है तो उसमें जल्दबाजी न करें। परिवार में नए मेहमान का आगमन खुशी लेकर आएगा। प्रयात आराम करें, हल्का शाकाहारी भोजन पसंद करें। अपनी पनर्जी और मन शांत बनाए रखने के लिए छोटी सैर करें। किसी खास व्यक्ति से मुलाकात आपके लिए फायदेमंद साबित होगी।

कन्या राशि

आज सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। कामों को कल पर न टालें और बॉस के सुझाव पर अमल करें। घर का रिनोवेशन शुरू हो सकता है और मांगलिक कार्यक्रम की तैयारियां चल सकती हैं। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा और पुराने मित्र से मिलने की खुशी होगी। आपको सपोर्ट मिलेगा, जिससे आप प्रगति करते रहेंगे। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा।

तुला राशि

आज सोच-समझकर निर्णय लेने का दिन है। विद्यार्थी विदेश प्रदाई के अवसर पा सकते हैं। सरकारी मामलों में लापरवाही से बचें। धन-धान्य में वृद्धि से मन प्रसन्न रहेगा। योजना बनाकर काम करें और दिखावे में न फरें, नहीं तो समस्याएं बढ़ सकती हैं। कॉन्फिडेंस बढ़ाएं, और प्रोग्रेस का आनंद लें। पार्टनर के साथ किसी बात पर मतभेद हो सकता है इसलिए शब्द सोच-समझकर बोलें।

वृश्चिक राशि

आज अचानक लाभ का दिन है। प्रॉपर्टी डील से अच्छा मुनाफा होगा और बिजनेस में बदलाव लाभदायक रहेंगे। माताजी से किसी बात को लेकर खटपट हो सकती है। वाहन सावधानी से चलाएं और अटका हुआ धन मिलने की पूरी संभावना है। बिजनेस में कोई नई डील मिलने के संकेत हैं। हालांकि भावनाओं में बहकर कोई बड़ा फैसला ना लें।

धनु राशि

आज का दिन मौज-मस्ती भरा रहेगा। मित्र से सलाह लें और बिजनेस पार्टनरशिप लाभदायक रहेगी। जीवनसाथी नई नौकरी प्राप्त कर सकते हैं। परिवार में पार्टी का आयोजन माहौल खुशनुमा करेगा। घूमने-फिरने के दौरान महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी और विरोधी की बातों में न फरें। पुराने दोस्तों से बातचीत या मुलाकात हो सकती है। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी।

मकर राशि

आज लेन-देन में समझदारी दिखाएं। आय और व्यय में संतुलन बनाए रखें। सहयोगी की बुरी बात से मन परेशान हो सकता है, लेकिन काम पर फोकस बनाए रखें। उन्नति के रास्ते पर बढ़ेंगे। शारीरिक समस्या है तो टेस्ट कराएं। पढ़ाई कर रहे छात्रों को अच्छे परिणाम मिलने के योग हैं। किसी यात्रा की योजना बन सकती है।

कुंभ राशि

आज का दिन बढ़िया रहेगा। अच्छे सोच का लाभ उठाएँ और राजनीति में नया काम शुरू कर सकते हैं। आय-व्यय में संतुलन रखें। सहयोगी की बुरी बात से मन विचलित न हो और विरोधी की बातों में न आएं। परिवार में फिर गए वादे पूरे करें। आप धीरे-धीरे प्रगति करेंगे। फोकस और शांत योजना आपको कार्यों को पूरा करने और रिश्तों को मजबूत बनाने में मदद करेगी। किसी बात को लेकर मन थोड़ा परेशान रह सकता है, लेकिन जल्द ही स्थिति सामान्य हो जाएगी।

मीन राशि

आज मन में काम को लेकर उथल-पुथल रहेगी, जिससे काम में देरी हो सकती है। कार्यक्षेत्र में झूठा आरोप लग सकता है। विद्यार्थी प्रदाई में लापरवाही न करें। संतान से किए वादे पूरे करें। पुराना कर्ज चुका सकेंगे और धन-धान्य में वृद्धि होगी। प्लान को फ्लेक्सिबल रखें करियर में आगे बढ़ने के नए मौके मिलेंगे। ऑफिस में आपके काम की सराहना होगी।

बच्चों की हाइट बढ़ाने में मददगार हैं ये योगासन

ताड़ासन :-

ताड़ासन को माउंटेन पोज भी कहा जाता है। यह एक आसान लेकिन प्रभावी योगासन है, जिसमें शरीर को सीधा रखते हुए ऊपर की ओर स्ट्रेच किया जाता है। इसे करने के लिए सबसे पहले सीधे खड़े होकर दोनों पैरों के बीच थोड़ा अंतर रखें। अब दोनों हाथों को ऊपर की ओर उठाएं और हथेलियों को आपस में जोड़ लें। धीरे-धीरे पंजों के बल खड़े होकर शरीर को ऊपर की ओर खींचें और कुछ सेकंड तक इसी स्थिति में रहें। इस योगासन से रीढ़ की हड्डी में

आलू

आलू को फ्रिज में रखने से कम तापमान के कारण उसमें मौजूद स्टार्च तेजी से शुगर में बदलने लगता है। इससे आलू का स्वाद और बनावट बदल सकती है। साथ ही,

आजकल

लगभग हर घर में फ्रिज का इस्तेमाल खाने-पीने की चीजों को लंबे समय तक ताजा रखने के लिए किया जाता है। सही तापमान पर खाने की चीजों को स्टोर करने से उनकी गुणवत्ता बनाए रखने और उन्हें जल्दी खराब होने से बचाने में मदद मिलती है। हालांकि, कई लोग यह मान लेते हैं कि हर खाने की चीज को फ्रिज में रखना फायदेमंद होता है, जबकि ऐसा हमेशा सही नहीं होता। कुछ खाने की चीजें ऐसी भी होती हैं, जिन्हें फ्रिज में रखने से उनका स्वाद, बनावट और गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। वहीं, कुछ चीजों में नमी बढ़ने या बहुत कम तापमान के कारण वे जल्दी खराब भी हो सकती हैं। सही तरीके से चीजों को स्टोर करने से उनकी ताजगी और गुणवत्ता बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

ऐसे

आलू को बहुत अधिक तापमान पर पकाने पर कुछ हानिकारक तत्व बनने की संभावना भी बढ़ सकती है। आलू को

पक्का

कर लें कि दाग लगभग पूरी तरह से चला गया हो। अगर दाग अभी भी दिख रहा है, तो कपड़े को ड्रायर में न डालें। ड्रायर की गर्मी दाग को पक्का कर सकती है। यह सावधानी कॉफी के दाग हटाने के टिप्स का एक जरूरी हिस्सा है। हालांकि कपड़ों पर कॉफी गिरना आम बात है, लेकिन सही सावधानियों से दाग आसानी से हटाया जा सकता है।

कपड़ों पर लगे कॉफी के जिद्दी दाग मिनटों में होंगे साफ

कॉफी गिरने के तुरंत बाद क्या करें?

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, कॉफी का दाग लगने के तुरंत बाद पक्वान लेना बहुत जरूरी है। सबसे पहले, बची हुई कॉफी को साफ टिशू या सूखे कपड़े से धीरे से पोछ लें। ध्यान रखें कि दाग को रगड़ें नहीं, क्योंकि इससे यह और फैल सकता है। इसके बाद, कपड़े को उल्टा करें और पीछे से दाग पर ठंडा पानी डालें। यह तरीका

सिरका और लिक्विड डिटर्जेंट का जादू

अगर दाग जिद्दी है, तो सफेद सिरका और लिक्विड डिटर्जेंट का मिश्रण तैयार करें। एक चम्मच सिरका और एक चम्मच डिटर्जेंट मिलाएं और इसे दाग वाली जगह पर लगाएं। लगभग 10 से 15 मिनट बाद, हल्के हाथों से रगड़ें और पानी से धो लें। सिरका दाग को तोड़ने का काम करता है, जबकि डिटर्जेंट इसे कपड़े से हटाने में मदद करता है। इसीलिए कॉफी के दाग हटाने के टिप्स में इस उपाय को बहुत असरदार माना जाता है।

वॉशिंग मशीन में डालने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

दाग हटाने के प्रोसेस के बाद, कपड़े को वॉशिंग मशीन में धोया जा सकता है। हालांकि,

वाली जगह को थोड़ा गीला करें और उस पर एक चम्मच बेकिंग सोडा छिड़कें। इसे लगभग 30 मिनट के लिए छोड़ दें। बेकिंग सोडा दाग को सोख लेगा। इसके बाद, कपड़े को सादे पानी से धो लें। यह तरीका कॉफी के दाग

दाग को कपड़े में और अंदर जाने से रोकता है।

कॉफी के दाग हटाने के टिप्स में यह पहला स्टेप सबसे जरूरी माना जाता है।

ठंडा पानी इस्तेमाल करना क्यों है जरूरी?

बहुत से लोग दाग साफ करने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन यह गलती दाग को और ज्यादा पक्का बना सकती है। खासकर अगर कॉफी में दूध या क्रीम हो, तो गर्म पानी से दूध के प्रोटीन कपड़े के रेशों से चिपक जाते

हटाने के सबसे आम टिप्स में से एक है।

केला

केले को फ्रिज में रखने से उसका खिलका जल्दी काला पड़ सकता है और ठंडे तापमान के कारण उसके पकने की प्राकृतिक प्रक्रिया भी प्रभावित हो सकती है। अगर केला पूरी तरह पका नहीं है, तो उसे सामान्य तापमान पर ही रखना बेहतर होता है। बहुत अधिक पक जाने पर ही इसे थोड़े समय के लिए फ्रिज में रखा जा सकता है।

ब्रेड

ब्रेड को फ्रिज में रखने से वह जल्दी सूख सकती है और सख्त हो सकती है। इससे उसका स्वाद और नरमपन कम हो जाता है। अगर ब्रेड 2 से 3 दिनों में इस्तेमाल करनी है, तो उसे कमरे के तापमान पर बंद पैकेट में रखें। वहीं, लंबे समय तक सुरक्षित रखना

हो, तो फ्रिज नहीं बल्कि फ्रीजर में स्टोर करना बेहतर विकल्प है।

किन खाने की चीजों को फ्रिज में रखना जरूरी होता है?

दूध, दही, पनीर, मक्खन, अंडे, पका हुआ खाना, कटी हुई सब्जियां और फल, मांस, मछली और अन्य जल्दी खराब होने वाली खाने की चीजों को फ्रिज में रखना जरूरी माना जाता है। इन चीजों को सही तापमान पर रखने से उनमें बैक्टीरिया की वृद्धि धीमी हो सकती है और उनकी गुणवत्ता लंबे समय तक बनी रह सकती है।

●●●●●

●●●●●

●●●●●

●●●●●

●●●●●

अंतिम संस्कार पर महंगाई की मार, राशि 3 हजार पार, लोहा –जाली क्षतिग्रस्त, उसकी मरम्मत पर ध्यान नहीं

पुराने शेड के कई ब्लॉक टूटने लगे, इस कारण हर दिन हो रही परेशानी

साफ-सफाई पर भी फोकस करने की जरूरत, गौशाला पिंजरा पोल द्वारा हो रहा संचालन

राजनांदगांव। लखौली मुक्तिधाम अब कई तरह की समस्या सामने आ रही है, इसे तत्काल ही दूर करने की जरूरत है। लेकिन लंबे समय से दिक्कत जस के तस बनी हुई है। जबकि यहां हर अंतिम संस्कार हो रहे हैं और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अभी स्थिति यह है कि पुराने शेड में अंतिम संस्कार के लिए जो लोहे की जालियां लगी हैं, वह टूट गई है। दूसरी तरफ अंतिम संस्कार की राशि बढ़कर अब 3100 रुपए तक पहुंच गई है। अंतिम संस्कार में आए लोगों ने बताया कि पुराने शेड्स में जो लोहे लगाए गए हैं, वह भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं। शवों को रखने में दिक्कत आती है। इस कारण



जिम्मेदारों को इस पर ध्यान देकर मरम्मत कराई जानी चाहिए। हालांकि नया शेड भी बना दिया गया है, लेकिन पुराने लोहे की जालियां जिस स्थिति में हैं। उन्हें तत्काल ही बनाया जाना चाहिए। ताकि अंतिम क्रिया के

लिए आने वाले परिवारों को समस्या न हो। श्रेय कुमार ने बताया कि कई बार ऐसा होता है कि जालियां क्षतिग्रस्त है, शवों को जलाने के बाद छेना-लकड़ी जलकर थोड़ा दबती है तो शव के भी नीचे होने का भय बना

होता है। इसी तरह आशीष साहू ने बताया कि दो से तीन ब्लॉक तो ऐसे हो गए हैं, जिनका उपयोग ही नहीं किया जा रहा है। वहीं दो ब्लॉक की जालियां ढीली हो गई हैं। इस कारण उसमें परिजन शवों की अंतिम क्रिया करने में हिचकिचाते हैं।

साफ-सफाई पर भी ध्यान देने की जरूरत

गौशाला पिंजरा पोल द्वारा संचालित मुक्तिधाम में साफ-सफाई का ध्यान देना जरूरी है। क्योंकि हर दिन दो से चार आंतिम संस्कार होते हैं। आखिर समय पर मुक्तिधाम में लाए गए सामानों को वहीं छोड़ दिया जाता है। इसमें लकड़ी, कंड़े, कपड़े, बिस्तर-तकिया, सामानों की झिल्लियां और भी कई सामान होते हैं। उनकी सफाई भी तत्काल की जानी चाहिए। ताकि मुक्तिधाम का सौंदर्योकरण किया गया है, वह बरकरार रहे।

अवैध बैनर-पोस्टर के खिलाफ निगम का अभियान तेज, विद्युत एवं ट्यूबलर पोल से हटाए जा रहे प्रचार सामग्री

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुर्क्षि सिंह के निर्देशानुसार शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रों में अवैध रूप से लगाए गए बैनर एवं पोस्टर हटाने की कार्यवाई की जा रही है। निगम की टीम द्वारा सड़कों एवं प्रमुख मार्गों पर स्थापित ट्यूबलर तथा विद्युत पोल से अवैध बैनर-पोस्टर को लगातार हटया जा रहा है। निगम अधिकारियों ने बताया कि विद्युत एवं ट्यूबलर पोल पर लगाए गए बैनर-पोस्टर कई बार सड़क किनारे दृश्यता को प्रभावित करते हैं, जिससे वाहन चालकों को सामने से आने वाले वाहनों एवं अन्य बाधाओं को देखने में परेशानी हो सकती है। इससे सड़क दुर्घटना की संभावना भी बनी रहती है। इसके अलावा शहर के प्रमुख मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों पर अनाधिकृत



प्रचार सामग्री लगाए जाने से शहर की सुंदरता एवं स्वच्छता प्रभावित होती है। आयुक्त के निर्देश पर निगम द्वारा ऐसे अवैध बैनर एवं पोस्टर को हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत निगम अमला विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर विद्युत एवं ट्यूबलर पोल सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर लगाए गए अनाधिकृत बैनर-पोस्टर को हटाने की कार्यवाई कर रहा है। अवैध बैनर पोस्टर

हटाए जाने के संबंध में महापौर परिषद से भी संकल्प पारित है। नगर निगम भिलाई ने नागरिकों एवं विभिन्न संस्थानों से अपील की है कि सार्वजनिक संपत्तियों, विद्युत एवं ट्यूबलर पोल तथा अन्य निर्धारित स्थानों पर बिना अनुमति के बैनर-पोस्टर न लगाएं। निगम द्वारा शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं सुरक्षित बनाए रखने के लिए अवैध प्रचार सामग्री के खिलाफ कार्यवाई लगातार जारी रखी जाएगी।

ओड़िशा टू उप्र तस्करी : पुलिस ने पकड़ा 20 लाख का गांजा, आरोपी फरार पिकअप वाहन से गांजा का किया जा रहा था अवैध परिवहन

गांजा को 36 पैकेट में छुपाकर ले जाने के फिराक में थे आरोपी



एससीपी लगाई गई और वाहनों की जांच शुरू की गई। इसी बीच संदिग्ध रूप से एक पिकअप वाहन (सीजी 04 एनएस 8967) आती दिखाई दी। जिसे रोका गया लेकिन मौका पाकर गाड़ी में सवार दोनों ही आरोपी भाग निकले। पुलिस ने उनका पीछा भी किया लेकिन वह पकड़ में नहीं आए। दूसरी तरफ पुलिस को टीम ने

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गांजा तस्करी की सूचना बालोद, धमतरी, मोहला- मानपुर पुलिस को भी मिली थी. सभी जिलों की टीम इस तस्करी को पकड़ने के लिए जुटी थी, लेकिन हाईवे पर तुमड़ीबोड़ के पास राजनांदगांव पुलिस ने गांजा की बड़ी खेप को जब्त किया. एडिशनल एसपी कीर्तन रावैर ने कहा कि जल्द ही फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा. वहीं गाड़ी का मालिक भी रायपुर का होना बताया जा रहा है, उसकी भी जानकारी एकत्रित की जा रही है.

आंध्रप्रदेश के ऑयल फैक्ट्री में बंधक 9 मजदूरों का जिला प्रशासन की तत्परता से हुई सकुशल घर वापसी

बलौदाबाजार। जिला प्रशासन ने एक बार फिर संवेदनशीलता एवं तत्परता का परिचय देते हुए आंध्रप्रदेश में बंधक बनाकर रखे गये जिले के 9 मजदूरों को सकुशल वापस लाने में सफलता प्राप्त की है। सभी 9 सदस्यों ने कलेक्टर कुलदीप शर्मा से मुलाकात की और सकुशल घर वापसी पर जिला प्रशासन को धन्यवाद दिये। कलेक्टर शर्मा ने कहा कि जिले के किसी भी नागरिक की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। यदि कोई भी व्यक्ति रोजगार के नाम पर शोषण, बंधक बनाए जाने अथवा किसी अन्य प्रकार की परेशानी का सामना करता है तो वह तत्काल जिला प्रशासन को इसकी जानकारी दें। सम्पर्क केंद्र नंबर 92018-99925 पर भी सम्पर्क करके जानकारी दे सकते हैं। ऐसे मामलों में प्रशासन पूरी संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ आवश्यक कार्यवाई सुनिश्चित करेगा। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील



की है कि रोजगार के लिए अन्य राज्यों में जाने से पूर्व संबंधित एजेंसी या ठेकेदार की जानकारी एवं सत्यापन अवश्य कर लें, ताकि भविष्य में इस प्रकार की परिस्थितियों से बचा जा सके। जिले के तहसील सोनाखान अंतर्गत ग्राम सोनपुर निवासी संत कुमार रात्रे द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया था कि करीब 2 माह पूर्व उनका परिवार एवं अन्य ग्रामीण रोजगार के लिए आंध्रप्रदेश के रेनीगुंटा स्थित एक ऑयल फैक्ट्री में मजदूरी करने गए थे, जहां उन्हें मजदूरी का भुगतान नहीं किया जा रहा था तथा

उन्हें जबन रोककर रखने और प्रताड़ित किए जाने की जानकारी दी गई थी। आवेदन प्राप्त होते ही कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाई के निर्देश दिए। जिला प्रशासन द्वारा आंध्रप्रदेश प्रशासन एवं संबंधित विभागों से त्वरित समन्वय स्थापित का आवश्यक पहल की गई, जिसके परिणामस्वरूप सभी मजदूरों को सुरक्षित मुक्त कराकर सकुशल उनके गृह जिले बलौदाबाजार-भाटापारा वापस लाया गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना परिसर में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा, निबंध, पेंटिंग व क्विज़ प्रतियोगिताओं का आयोजन

भिलाई नगर। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत एएचपी घटक के सूर्य विहार के पीछे स्थित खम्हरिया आवास परिसर (493 एवं 1120 आवास) में स्वतंत्रता दिवस 2026 के उपलक्ष्य में सूचना, शिक्षा एवं संचार गतिविधियों का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में योजना के हितग्राहियों एवं बच्चों की सहभागिता के साथ निबंध लेखन, पेंटिंग तथा क्विज़ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता तथा स्वतंत्रता संग्राम के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। बच्चों ने रंग-बिरंगी पेंटिंग और प्रेरणादायक निबंधों के माध्यम से अपने विचारों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया, जबकि क्विज़ प्रतियोगिता में भी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपने ज्ञान का परिचय दिया। इस अवसर पर महापौर परिषद सदस्य संदीप निरंकारी ने बच्चों का

आयुक्त ने दिए निर्देश...हर घर से कचरा कलेक्ट कर यूजर चार्ज लें, जागरूकता जरूरी

साफ-सफाई की व्यवस्था देखने निगम आयुक्त ने मोहारा वार्ड का निरीक्षण किया

राजनांदगांव। वार्डों में स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लेने की कड़ी में आयुक्त जीआर मरकाम ने मोहारा वार्ड में साफ सफाई का निरीक्षण किया। उन्होंने वार्ड पार्षद व शिक्षा विभाग के प्रभारी सदस्य आलोक श्रोती के साथ मोहारा मेला स्थल तथा एसएलआरएम सेंटर का निरीक्षण कर स्वच्छता दीर्घियों से कचरा संग्रहण एवं कचरा पृथक्करण की जानकारी लेकर चर्चा किए। आयुक्त मरकाम मोहारा एसएलआरएम सेंटर का निरीक्षण कर सेंटर की स्वच्छता दीर्घियों से घरों से किये जा रहे कचरा संग्रहण तथा सेंटर में होने वाली कचरा पृथक्करण की जानकारी लेकर उनके चर्चा किए। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन शत-प्रतिशत घरों में जाकर कचरा संग्रहण करना सुनिश्चित करें, घर में



गीला सुखा कचरा अलग अलग रखने समझाईश देवे। इसके

अलावा सभी घरों से यूजर चार्ज लेवे। उन्होंने कचरा पृथक्करण के संबंध में भी चर्चा कर चरणबद्ध कचरे का निपटान करने सेंटर में साफ सफाई रखने के निर्देश दिए। इसके अलावा सेंटर या उसके आस पास जल भराव को आयुक्त ने खड़े होकर सफाई करा निकासी कराए। उन्होंने कार्यपालन अभियंता को सेंटर के जल भराव क्षेत्र में मुरुम डस्ट डालकर समतलीकरण करने के निर्देश दिए।

गीला सुखा कचरा अलग अलग रखने समझाईश देवे। इसके

आयुक्त ने वार्ड पार्षद आलोक से ली जानकारी
पुत्री मेला स्थल का निरीक्षण कर आयुक्त ने मेला एवं अन्य व्यवस्था के संबंध में वार्ड पार्षद श्रोती से जानकारी लिए। उन्होंने मेला स्थल की समुचित साफ सफाई भी कराई तथा तटबंध के पास घाट की पचरी व नदी किनारे भी साफ सफाई करा कटिली झाड़ी कटाई गयी। तटबंध के किनारे जमी मिट्टी के संबंध में उन्होंने जानकारी ली, वार्ड पार्षद ने जानकारी दी कि तटबंध बनाने समय नदी से निकले मिट्टी तटबंध के किनारे छोड़ने पर मिट्टी जमने की वजह से नदी में बहकर आने वाली गाद एवं कचरा वहां फंस कर रूक जाता है, इस पर आयुक्त ने इसके निदान के लिए जल संसाधन विभाग को पत्र लिखकर समस्या का निदान कराने कार्यपालन अभियंता को निर्देशित किए।

गया नगर में निर्माणाधीन टंकी में पानी पहुंचाने,121.03 लाख की लागत से होगा राइजिंग पाइपलाइन का विस्तार कार्य महापौर ने पूजा अर्चना किया शुरुआत कहा- हर घर तक सुचारु पेयजल पहुंचाना निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता,



अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक तक स्वच्छ, पर्याप्त एवं नियमित पेयजल उपलब्ध कराना है। बढ़ती आबादी और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जलापूर्ति व्यवस्था का निरंतर विस्तार एवं आधुनिकीकरण किया जा रहा

है। गया नगर क्षेत्र में जलसंकट दूर करने उच्च स्तरीय जलागार कार्य प्रारंभ हो चुका है इस टंकी में पानी पहुंचाने के लिए राइजिंग पाइपलाइन का यह विस्तारीकरण कार्य की आज विधिवत शुरुआत हो रही है इन कार्यों के पूर्ण होने के बाद क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर जलापूर्ति का लाभ मिलेगा तथा पानी के दबाव एवं वितरण संबंधी समस्याओं में भी सुधार आएगा।

उन्होंने कहा कि नगर निगम शहर के सभी वार्डों में मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। पेयजल, सड़क, नाली, प्रकाश व्यवस्था एवं स्वच्छता जैसे जनसुविधा के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर तेजी से पूरा किया जा रहा है। विकास कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई के डायरेक्टर ने नए छात्रों से एकेडमिक एक्सीलेंस को सोशल इम्पैक्ट से जोड़ने का आग्रह किया

दुर्ग। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई ने 23 जुलाई, 2026 को लगभग 600 नए छात्रों के बैच का स्वागत किया। कैपस लाइफमें आसानी से ढलने में मदद के लिए, स्टूडेंट मेंटरशिप प्रोग्राम 24 से 27 जुलाई तक चार दिन का ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित कर रहा है। नए छात्रों और उनके माता-पिता के लिए एक इंटीग्रेटेड सेशन आयोजित किया गया, जिसमें डायरेक्टर प्रो. राजीव प्रकाश और सीनियर फैकल्टी सदस्यों-जिनमें डॉन प्रो. सोम्या गोपाध्याय, प्रो. संतोष बिस्वास, डॉ. सुधानवा पात्रा और डॉ. कुलदीप कटारिया के साथ-साथ फैकल्टी-इन-चार्ज डॉ. प्रवीण कुमार शामिल थे-ने कैपस की सुविधाओं, एकेडमिक सपोर्ट और स्टूडेंट लाइफके बारे में अहम जानकारी दी। इस ओरिएंटेशन का मकसद नए छात्रों को



संस्थान में मौजूद एकेडमिक, रिसर्च और एक्स्ट्रा-कुरिकुलर मौकों से परिचित कराना है। नए छात्रों के बैच को संबोधित करते हुए, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई के डायरेक्टर प्रो. राजीव प्रकाश ने छात्रों को आगाह किया कि वे एडमिशन को ही आखिरी मंजिल न समझें। उन्होंने कहा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में पहुँचना माउंट एवरेस्ट के बेस कैंप तक पहुँचने जैसा है-यह अभी शिखर नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया

कि सफलता के शिखर तक पहुँचने के लिए लगातार अनुशासन, दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत की जरूरत होती है। प्रोफ़ेसर प्रकाश ने छात्रों से अपनी शिक्षा का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर समाज की भलाई के लिए करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि असल दुनिया की सामाजिक समस्याओं को हल करने के लिए छात्रों द्वारा शुरू किए गए स्टार्टअप बहुत ज़रूरी हैं। उन्होंने छात्रों को इनक्यूबेशन की ओर बढ़ने और देश के लिए स्टार्टअप शुरू करने

के लिए प्रोत्साहित किया। उन्हें समाज की ज़रूरतों को पूरा करना चाहिए और राष्ट्र प्रथम की सोच अपनानी चाहिए। उन्हें नौकरी खोजने वाले के बजाय नौकरी देने वाला बनना चाहिए। संस्थान के बढ़ते रिसर्च और डेवलपमेंट के दायरे पर जोर देते हुए, उन्होंने नए छात्रों को उभरते हुए क्षेत्रों में प्रैक्टिकल रिकल सीखने, प्रोजेक्ट्स में शामिल होने और अपनी पढ़ाई के साथ-साथ एंटरप्रेन्योरशिप से जुड़े काम करने के लिए प्रेरित किया।

अमलेश्वर मुक्ति धाम में लगभग 50 लाख रुपये की लागत से शवदाह शेड एवं प्रतीक्षालय निर्माण का भूमि पूजन



अम्लेश्वर। नगर पालिका परिषद अमलेश्वर क्षेत्र में अमलेश्वर मुक्ति धाम में लगभग 50 लाख रुपये की लागत से बनने वाले शवदाह शेड एवं प्रतीक्षालय निर्माण कार्य का विधिवत भूमि पूजन संपन्न हुआ। भूमि पूजन कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा, जिला पंचायत सभापति नीलम राजेश चंद्राकर, नगर पालिका परिषद अमलेश्वर के अध्यक्ष दयानंद सोनकर, सांसद प्रतिनिधि एवं जनपद पाटन

सदस्य राजेश चंद्राकर, भाजपा मंडल अध्यक्ष कमलेश चंद्राकर तथा मंडल महामंत्री कैलाश यादव ने संयुक्त रूप से पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पीआईसी सदस्य सोहन निषाद, राजू सोनकर, डॉ. आलोक पाल, पार्षदराण, एलडरमैन रामाधार साहू, भाजपा नेता अजीत ठाकुर, ओमप्रकाश साहू सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता एवं

गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि मुक्ति धाम में शवदाह शेड एवं प्रतीक्षालय के निर्माण से अंतिम संस्कार के लिए आने वाले लोगों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह निर्माण सभी क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही जरूरत को पूरा करेगा तथा नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।